



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 181]
No. 181]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 15, 1983/चैत्र 25, 1905
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 15, 1983/CHAITRA 25, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आवेद सं० 1/83

बुला सामान्य लाइसेंस सं० 1/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 296(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947(1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका मध को छोड़कर, किसी भी देश से भारत में कच्चे माल और मयटकों की वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है —

(1) आयात की जाने वाली सब आयात एवं निर्यात नीति 1983-84 के परिशिष्ट 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 और 15 के अन्तर्गत नहीं आती हैं।

(2) इस लाइसेंस के अंतर्गत उपकरण आयात करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(3) कच्चे माल एवं मयटक वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन हो अर्थात् सम्बद्ध वास्तविक उपयोगिता(ओ) (औद्योगिक) के खुब के उपयोग के लिये अपेक्षित हो।

(4) वास्तविक उपयोगिता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मयों के उपभाग एवं उपभाग का निर्धारित प्रपक्ष एवं विधि-

नुसार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकार की प्राधिकारी को उनके द्वारा विशिष्टीकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(5) माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोगिता के रूप में सम्बद्ध प्राधिकरण के पास अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण की सफा और तारोख और विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देने हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए संशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा पत्र भेजेगा कि (1) ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है या उसे अन्यथा रूप से प्रभावहीन नहीं किया गया है और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयोजित मद उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रमाणक प्राधिकारी के पास औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम के बिल्कुल अनुसार है। प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण सफा नहीं दी गई है, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकरण की सतृष्टि के लिये इस सब में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और आयात करने के लिये पत्र है। माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) यदि कोई हो, ता प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारों द्वारा उनके लिये अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम को एक प्रमाणित प्रांत भी भेजेगा।

- (6) महानिदेशक, तकनीकी विकास के एककों द्वारा गयटकों का आयाम 1983-84 के लिये सगन आयाम नीति में निर्धारित सूची माध्याकन क्रियाविधि के अधीन होगा। महानिदेशक, तकनीकी विकास के साथ पर्जाकृत और बरगवार बिनित्तिन कार्यक्रम के अधीन वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के समय संघटकों की एक सूची भेजेगी जो आयात के लिये विधिवत् घोषित होगी और महानिदेशक, तकनीकी विकास द्वारा साध्यांकित होगी या महानिदेशक तकनीकी विकास के साध्यांकन के लिये जो सूची भेजी गई थी उस पर इस संबंध में एक घोषणा होगी कि प्रस्तुत की गई सूची वही है जो महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात और निर्यात नीति सैल) उद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजी गई थी और वह महानिदेशालय, तकनीकी विकास का प्रस्तुत की तिथि से 30 दिनों के भीतर वास्तविक उपयोगिता द्वारा वापस प्राप्त नहीं हुई है। जहाँ आयात की निकासी ऐसी की गई घोषणा के आधार पर की जाती है तो संघटकों की निकासी एवं उनकी मात्रा/मूल्य की संख्या वास्तविक उपयोगिता द्वारा महानिदेशक, तकनीकी विकास की सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के 30 दिनों के भीतर की जायेगी।
- (7) जिन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकरणों के अस्थायी पंजीकरण हैं, वह भी इन लाइसेंस के अधीन कच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिये पात्र होगा।
- (8) जिन वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण पत्र है जिसे विशेष रूप से "प्रमाणित" चिह्नित किया गया है तो वे भी कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिये इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, परन्तु उनके मामले में वास्तविक उपयोगिता की ओर से राज्य औद्योगिक विकास निगम या राज्य वित्त निगम को आयात की अनुमति केवल तब होगी जब निकासी के समय वह साक्ष्य प्रस्तुत किया जाये कि संबंध वास्तविक उपयोगिता ने आयातित माल के लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य के 25% के बराबर मूल्य के लिये बैंक गारंटी के साथ इस संबंध में एक बान्ध भेजा है कि वास्तविक उपयोगिता आयातित माल का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाण पत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (9) बड़े पैमाना क्षेत्र के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के ब्योरे और मूल्य की वृद्धि हुए मर्च के लिये यथा उपयुक्त एक आवधिक विवरण, महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या अन्य सम्बद्ध प्राधिकारियों और इलेक्ट्रानिकी विभाग को भेजेगा। लघु पैमाना क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उसी प्रकार के विवरण सम्बद्ध क्षेत्रीय आयात लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिये। ये विवरण 30 सितम्बर, 1983 और 31, मार्च, 1984 के अनुसार भेजे जायेंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जायेगा।
- (10) ये आयात लाइसेंस (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।
- (11) मालव निर्मित रेशों, मोटे सन और तागों कच्ची ऊन, मोहेयर, बूलन रेश/सिरीटिक रेश/शीडी बूल के संबंध में पात्र आयातकों की अपनी संविदायें वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवानी चाहियें। आयात तभी किये जायेंगे जब संबंधित संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे

पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिये संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जायेंगी और आयातक को माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिये एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मोहर लगी होगी। बाव के ठेकों के पंजीकरण के समय, पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिये जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी ठेकों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित माल का उपयोग/निपटान दर्शाया जाना चाहिये।

- (12) जैसा कि ऊपर 11 में दिया गया है वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोगिताओं के वितरण के लिये मानव निर्मित रेशे, मोटा सन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार निगम (एम टी सी), नई दिल्ली द्वारा आयात किये जा सकते हैं।
- (13) डी एम ए/टी पी ए के आयात के मामले में आयात की स्वीकृति केवल ऊर्जा मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) के पास पंजीकृत संविदाओं के आधार पर दी जायेगी। ऊर्जा विभाग के पास संविदा पंजीकृत करवाने की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर (2) में दी गई है।
- (14) सोडा ऐश, पी बी सी रेजिन, बुड पल्प, कास्टिक सोडा और खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आने वाली संश्लिष्ट गड़ड़ की सभी किस्मों, के लिये, पात्र आयातकों को अपनी संविदायें महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सैल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवानी चाहिये। महानिदेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर (2) में दी गई है।
- (15) (1) ऊनी बिचड़ों/रही ऊन/संश्लिष्ट बिचड़ों के मामले में आयातित माल की निकासी सीमा शुल्क निकासी माल के पूर्ण विकृत होने के बाद ही दी जायेगी।
- (2) इस प्रयोजन के लिये ऊनी बिचड़ों की परिभाषा इस प्रकार दी गई है :-
- (क) "नए" ऊनी कपड़े के अवशेष चाहे वह बुने हुए या कढ़ाई किये हुए कपड़े के हों और जो बस्त्रों को काटाई करने के बाद बच जाते हों, इनमें वर्जों द्वारा काट दिये गए वास्तविक टुकड़े, त्याग दिये गये तमूने और सैम्पल के टुकड़े भी शामिल हैं।
- (ख) "पुराने" ऊनी कपड़े के वे बिचड़े (कढ़ाई किये हुए और कांटे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रही यान के विनिर्माण के लिये आवश्यक हों और उनमें सजावटी मर्च या फटे हुए कपड़े, सैले कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।
- (3) यह परिभाषा संश्लिष्टों बिचड़ों के लिये आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।
- (16) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोगिता (संसाधन एककों) को वितरण करने के लिये इस लाइसेंस के अन्तर्गत आवधिक करने के लिये भी पात्र होगा।
- (17) कच्चे काजू की गिरी के मामले में, यह शर्त होगी कि आयात के लिये संविदा पक्की होने के तुरन्त-बाद आयात की जाने

वाली आधी मात्रा वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एककों) को वितरण के लिये भारतीय काजू निगम को ऐसे तरीके में सौंपी जायेगी जो समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। आयात-संविदा भी उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जायेगी।

- (18) इस लाइसेंस में आयात के लिये अनुमित कार्बन इस्पात की मरदों के मामले में, पात्र आयातकों को ऐसी संविदा करने की तारीख से 13 दिनों के भीतर लोहा एवं इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात संविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पात, नियंत्रक के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया बड़ी होगी जो ऊपर (2) में दी गई है।
- (19) इस लाइसेंस के अधीन आने वाली लोहा तथा इस्पात मरदों के मामले में, तेज शोधक कंपनियां भी निर्धारित शर्तों के अधीन आयात करने के लिये पात्र होंगी।
- (20) महामारी नाशक और घास-यात नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) प्रत्येक माल के परेक्षण की निकासी के सात दिनों के भीतर आयातित मृद, उनकी मात्रा और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के ब्यौरे कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग), नई दिल्ली को सूचित करेगा।
- (21) इस लाइसेंस की अनुसूची की कुछ मरदों के मामले में विशेष उद्योगों के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मरदों के लिये संबंधित उद्योगों में लगे हुए केवल वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) ही आयात के लिये पात्र होंगे।
- (22) इस लाइसेंस की अनुसूची के भाग 3 के अधीन आने वाली मरदें, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) और अर्थों द्वारा भण्डार एवं बिक्री के लिये आयात की जा सकती हैं।
- (23) कनरन के रूप में आयातित पीतल/तांबा पाइप और ट्यूब्स के मामले में लम्बाई में उनका आकार 15 से०मी० से तब तक अधिक नहीं होना चाहिये जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी प्रेशर ब्रिक्केट्स में कनरन के रूप में नहीं किया जाता।
- (24) इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा सम्बद्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और सम्बद्ध एकक अपनी अनुमोदित क्षरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।
- (25) इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।
- (26) इस प्रकार के माल के पोतलवान किसी भी रियायती अवधि चाहे जो कुछ भी हो, के बिना 29-2-1984 का या इससे पूर्व खोले/स्थापित किये गये अपरिवर्तनीय साख-पत्रों के मद्दे 31 मार्च, 1984 को या वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के मामले में 30 जून 1984 को या इससे पूर्व भारत के लिये परेक्षण के माध्यम से कर दिये जाते हों।
- (27) किसी भी माल के आवेदन पत्र पर उनके आयात पर कोई भी निषेध या विनियम जो उस माल का आयात करने समय लागू थे, प्रभावित करते हैं तो उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

- (28) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिये लागू सभी अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिये।

[मिसिल सं० आई पी सी/3/2/83 से जारी]

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 1/83, दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के लिए अनुसूची

खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमेय कच्चा माल, संघटक और उपभोग्य सामग्री।

भाग-1

केवल वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) को आयात के लिए अनुमेय मरदों की सूची—

1. लिखने के औजारों के लिए एक्रिलिक फाइबर टिप्स और इंक काट्रिज
2. एल्फा एमाइल सिनेमिक एलिहाइड
3. एमाइल अल्कोहल
4. एस्टीमिमी आक्साइड
5. गामा किस्म के बैटरी टिपलोराइड रसायन
6. बेरिलियम तांबा स्ट्रुप्स
7. बाइफेरकेटिड और टेबुलर रिबेट्स
8. बिस्मथ
9. ब्लैक पेपर (फोटोग्राफिक ग्रेड)
10. कतरने वाली और ट्रोपिंग मशीन के आरे
11. ब्लॉकिंग अर्थ
12. 8 एम०एम० से 80 एम०एम० आ०डी० तक के ई०आर०डब्ल्यू० किस्म के बायस्टर, ट्यूब्स
13. परिशिष्ट 3 में आने वालों को छोड़कर कास्ट आयरन प्रेशर/नॉन प्रेशर ट्यूब्स और पाइप्स
14. सेल्यूलोज फिल्म/शीट (सेलोफेन पेपर)
15. 375 एम०एम० व्यास के सेंट्रीफ्यूगली कास्ट सीमलेस इस्पात पाइप्स और ट्यूब्स
16. 1200 डिग्री सेटीग्रेड से अधिक तापमान पर लागू कैमिकल्स पॉसिबल वेयर और सिरैमिक
17. क्लोरिनेटिड डिफिनायल
18. निम्नलिखित सिविल इंजीनियरिंग औजार :
(1) स्ट्रुट ट्रॉसड्यूर्स
(2) स्ट्रुट ट्रॉसड्यूर्स
(3) डिमालेसमेंट ट्रॉसड्यूर्स
(4) प्रेसर ट्रॉसड्यूर्स

केवल वस्त्र मिलों के लिए

19. क्राउन सिटर्स

20. क्लॉक्स के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाला तांबा/ एल्यूमीनियम/साइको मेटल शीट्स केवल मुद्रण मूल्यों के लिए उपयोक्ता (औद्योगिक)

21. कौपर मोल्ड (लगावार ब्रिक्ड फास्टिंग के लिए)	संपूर्ण इस्पात संयंत्र, मिनि इस्पात संयंत्र और विद्युतीय आर्क फर्नेस	46. इलेक्ट्रिक वेपर बोर्ड इन्सुलेटर्स और केबल फिलिंग आयल/कम्पाउन्ड के लिए इन्फ्रेगनेटिंग आयल	केवल केबल उद्योग में लगी हुई यूनिटों के लिए
22. कप्रो निकल (जैसे जर्मन चांदी, निकल चांदी आदि) सेमिस, प्लैट उत्पाद और तार		47. पाउडर (रत्न किस्म से भिन्न) सहित इंडस्ट्रियल डायमण्ड	
23. साइएनिक क्लोराइड		48. इफारेड बल्ब्स	
24. टीथ मोल्ड इलेक्ट्रोफॉर्म के लिए डाइम		49. आइसो-एमाल अल्कोहल	
25. डिम-क्वांरो एमिटिंग एमिट		50. आइसो-प्रोपिल अल्कोहल	
26. डिमिथिल एमिटोमाइड		51. लेड ग्लास ट्यूबिंग	
27. 2-एथिल हैक्साहाइड्र एमिट (आक्टोहाइड्र एमिट)		52. ऐश, स्किमिंग, ब्लोइंग्स और ड्रोसिस सहित लैंड स्क्रैप	
28. 65/195 मग के या इनसे अधिक अच्छे एण्डर्स ट्रिपस वायर		53. लिथोग्राफिक लेपित प्लेट	केवल मुद्रण यूनिटों के लिए
29. एपाक्सी प्लास्टिक-साइज		54. (1) पफॉरेटिंग स्लाइडिंग, क्लीजिंग आदि के लिए लिथो स्लैस	
30. एचिंग रसायन अर्थात् एडिटिव फिनिशिंग एजेंट्स	केवल मुद्रण यूनिटों के लिए	(2) एंटी आफ-सेट स्प्रे पाउडर	
31. एथिलीन ग्लाइकोल मोनो-एथिल ईथर एमिटेट		55. मेगनेशियम पाउडर	
32. फिल्म स्प्लयर		56. रोटरी प्रेस के लिए मेटल प्लेट्स	
33. इन्फ्रेगनेटिंग सहित फिल्टर कागज		57. मिथाइल आईसा-ब्यूटिल केटोन	
34. हीट सील/नान-हीट सील किस्म के चाय के थैलों के लिए फिल्टर कागज	केवल चाय के थैलों के विनि-मालाओं के लिए	58. मिश्रक मेटल	
35. प्लेन मूफ केबल हाफ कपलर्स, स्ट्राइट एंडोपटर्स और बेंड एंडोपटर्स		59. मोलिब्डेनम पर आधारित ग्रीस और स्नेहक	
36. पॉलि-एथिलेनमाइड (डिप्रिक्स) पर आधारित प्लांकालेडिंग एजेंट्स		60. मोनेल वायर	
37. फरफरेलमाइड		61. मस्टीमेश डिस्क फिल्टर्स (स्पिन्ट फिल्टर्स) और अवयव	
38. गैस साइटर अवयव		62. औद्योगिक सिलाई मशीन के लिए सूईया	
39. ग्लास माइक्रो फाइबर पेपर फिल्टर्स		63. नान-साइजर फील्ड डिस्चार्ज रेसिस्टर्स	
40. ग्लास स्प्रिन्ग और कटेक्ट स्प्रिन्ग (ग्रे और मागेटा)/कलर फिनिश	केवल मुद्रण यूनिटों के लिए	64. नाइलान प्रि-ओरिएन्टिड यार्न (एन ओ यार्ड)	
41. निम्नलिखित ग्लाइकोल ईथर —		65. पेंपेर बेस्ट	लुगरी/काज और कागज बोर्ड के विनिर्माण में लगी हुई यूनिट, उप-योक्ता (औद्योगिक)
(1) एथिलीन ग्लाइकोल मोनोमेथाइल ईथर		66. पर-क्लोरोएथिलीन	
(2) एथिलीन ग्लाइकोल मोनोमेथाइल ईथर		67. चमड़े के लिए पिगमेंट फिनिश	
(3) एथिलीन ग्लाइकोल मोनो-ब्यूटिल ईथर		68. पोलिएस्टर स्टेपल फाइबर	
(4) डाइ एथिलीन ग्लाइकोल मोनोमेथाइल ईथर		69. क्वालिटी कन्ट्रोल फिल्म स्ट्रिप्स और टारगेट्स	केवल मुद्रण यूनिटों के लिए
(5) डाइ एथिलीन ग्लाइकोल मोनो-इथाइल ईथर		70. क्वाटर्ज ग्लास और उसके उत्पाद	
(6) डाइ एथिलीन ग्लाइकोल मोनो-ब्यूटिल ईथर		71. रेडियो एक्टिव सामग्री शटआउट सीख सहित	वास्तविक उप-योक्ता, परमाणु ऊर्जा विभाग से सिफारिश प्रस्तुत करने पर
(7) एथिलीन ग्लाइकोल मोनो-फिनायल ईथर			
(8) इथोक्सी ट्रिग्लाइकोल			
42. ग्रीसरीस		72. रेयर अर्थ आक्साइड	
43. गनमेटल बुजोज		73. मशीन ड्राफ्टिंग के लिए रबड़ ब्लैकेंड्स, रबड़ कोट और एपरन और बूलन काईस के लिए कर्बेंसर रबिंग एपरन	
44. हीट एंजॉबिंग फिल्टर			
45. हेक्सा-क्लोरोइथेन			

- 74 सेंसर/टायर/पुर्ण
75 गटल कार्क बाटम
76 मिनिमान कम्पाउन्ड/क्यूब/आयल/रेजिन (कमोरा सिलेस का छाड़कर)
77 सांडियम मेथाक्साइड
78 सांडियम मल्फेट
79 निम्नलिखित विशिष्टिहृत टिगूम ---
(क) कार्बोनाइजिंग टिगूम, और
(ख) कलई और पकटागल मिगरेट टिगूम
80 स्टोपर हैडम और नाजलम जिनमे कायर कले स्टोपर हैडम और नोजलम शामिल नहीं है।
81 सफ़िल्ट रबो जिन पर काम न किया हुआ हो।
82 टेडो-क्लोरा-ग्विलीन
83 ट्रि-क्लोरा-एथिलीन
84 ट्रि-एथेनोलेमाइन लाग्लि मल्फेट
85 टाइप हाई मल्फिंग मर्शन
86 उपयोग किया हुआ/मैकैब रबड टायर्स/ट्यूब्स (निर्वातक; रबड रिक्वेमिंग वेश से पोत-नदान करन से पहले या सीमाशुल्क निकासी में, पहले प्रत्येक टायर/ट्यूब पर कम से कम एक कट हाना चाहिए)
87 बिस्कोस स्टेपल फाइबर
88 बेकम इम्प्लान्ट
89 मर्शन औजार मशीनरी, उपकरण, यन्त्र और अन्य हजीनियरी मशीन के सभी सघटक
90 हलैक्ट्रॉनिक उद्योग के लिए अपेक्षित निम्नलिखित कच्चे माल, सघटक और उपभोग्य सामग्री ---
(1) फेनोलिक/एस आर बी पी/मिगमिक बेस/सम्पट्रैक्ट रेसिस्टिव
(2) कंडक्टिव कर्पाजिगनम
(3) स्पिरिटल, पी सी गिन्स जैसे ठर्मल पुर्जे
(4) टैग्स, बाइपर्स जैसे प्रेसड पुर्जे
(5) केमिंग या डार्ड कास्ट, प्रेसड मोलिड्ड
(6) विशेष स्ट्रिंग
(7) मल्टिपल पार्ट्स के मोलिड्ड पुर्जे
(8) सीलिंग सामग्री
(9) प्रतिरोधक/कंडक्टिव म्पाहो
(10) कार्बन और प्रिमिगिपन धातु सहित विभिन्न आकारों में कटैक्टस
(11) कटैक्ट कैरियर्स
(12) "ओ" रिम्स
(13) विभिन्न विशिष्टिकरणों के प्रतिराधक तार
(14) 3-4 आफ मिरमेट
(15) 3-7 आफ कार्बन
(16) इन्सुलेटिड कापर बायर और फिनोन्निक जैसे वाइडिंग के फोगमर्स
(17) सिरमिक बेसिस
(18) मेटल कार्बन के कन्टैक्ट्स और उनके कंबीनेशनम

संपूर्ण इस्पात
संयंत्र

- (11) प्रेसड यूपे नेट्स
(20) टिन्ड कम्पोनेट्स
(21) इपोक्सी पेट
(22) इपोक्सी थिनर
(23) इपोक्सी ग्राईनर
(24) पोलि प्रोपिलीन फिल्म
(25) पिज-आ इलेक्ट्रिक अवयव
(26) कापर बेरिलियम फोर्मिड, उत्पाद
(27) तांबे का तार/स्ट्रिप्स (आक्सीजन से मुक्त किस्म की)
(28) प्रेफाइट जिग्स
(29) लेमिनेशन/मयु मेटल की स्ट्रिप्स/रेडियो मेटल
(30) लिट्स बायर/रयर युक्त तांबे का तार
(31) "कोबार" और निकल इस्पात की मिश्र धातु/कोबाल्ट सभी प्रकार की।

भाग 2

वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा वास्तविक उपयोगता शर्तों के अधीन आयात के लिए और निर्यात सदनों/व्यापार सदनों द्वारा वास्तविक उपयोगता शर्तों के अधीन वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) को बेचने के लिए नीति के अनुसार आर०ई०पी०/अतिरिक्त लाइसेंसों के मद्दे आयात के लिए अनुमति मने ---

- 1 ऐसिटोन
- 2 एक्सिलिक मोल्डिंग पाउडर
- 3 किमी भी फार्म/शेप/सैक्शन में अलाय स्टील
- 4 अल्युमिनियम ग्लाईसिनट
- 5 99 99 प्रतिशत शुद्धता के एल्युमिनियम बायर/स्ट्रिप्स
- 6 4 4 बेजीडाइन, 2 2 डार्ड-मल्फोनिक एसिड
- 7 क्लेक सेन्टर्ड बाई
- 8 क्लोचिंग पाउडर और हाईपो क्लोराइड्स
- 9 आई एस-2062 की कार्बन इस्पात मने या इसके समतुल्य विशिष्टिकरण
- 10 400 मि०मी० से अधिक कार्बन इस्पात रोलड ब्लूम
- 11 कास्टिक साडा
- 12 200 मेश के कार्क बुड, कार्क बस्ट और कार्क इस्ट और कार्क पाउडर
- 13 12 मि०मी० चौड़े या इससे कम काल्ड रोलड कार्बन इस्पात की पट्टियाँ
- 14 12 वाट्स और 20 वाट तक के डी०सी० माइक्रो मोटर्स/स्टेपल माटर्स/सर्वो मोटर्स/ए०सी० मिन्को माटर्स रॉटिंग के सघटक
- 15 ग्ले कनेक्टर्स और स्विचम के सघटक
- 16 डी०एग०टी०/टी०पी०ए०
- 17 खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत औषध/औषध/मध्यस्थ
- 18 रजक मछरस
- 19 इथायल ग्लाईकोल
- 20 एथिलीन डार्ड्रोमाइड
- 21 यूकेलिप्टस गम चिम्स
- 22 फेरो निकल

23. जिरेनियम तेल
24. थर्मामीटरों के लिए ग्लास कैपिलरी ट्यूनिंग
25. जी०एल०एस० लैम्पस के लिए ग्लास शील्स
26. हार्ड ग्रेड मोलिब्डेनम अपस्क, मोलिब्डेनम धातु, जिसमें कैप, मोलिब्डिक आक्साइड, मोलिब्डेनम आक्साइड, मोलिब्डेनम पाउडर शामिल हैं ।
27. आयोडीन
28. आइवरी अनमैनुफैक्चर्ड
29. कीटभाषी, महुमारी-नामो और चास-पात नामो
30. लिथो-पीन
31. मनुष्य निर्मित फाइबर/यार्न जो भाग-1 और 2 में हैं, उनसे भिन्न
32. मरकरी/मरकरी एमोनियेटिड
33. माइक्रो-वेव कपोनेट सभी प्रकार के
34. नेप्थालीन थूड
35. प्राकृतिक आवश्यक तेल
36. नाइट्रिक एसिड
37. नायलोन/फिलामेंट ब्रिस्टल्स/मोनो
38. पैरा-क्लोरो बेंजोइक एसिड
39. पांग क्लोरो टोल्यून
40. पारा टरशरी म्यूटाइल फिनोल
41. फास्फोरस एसिड
42. फास्फोरिक एसिड
(औद्योगिक श्रेणी से भिन्न)
43. पिच
44. प्लेन/मेटेलाइज्ड कन्वेंसर टिशू पेपर
45. प्लेन/मेटेलाइज्ड कैपसिटर टिशू पेपर
46. प्लेन/मेटेलाइज्ड क्राफ्ट/टिशू पेपर
47. प्लेट/फ्लोट/शीट ग्लास
48. पॉलि-कार्बोनेट (थर्मोप्लास्टिक कच्ची सामग्री)
49. पॉलि-कार्बोनेट मोल्डिंग पाउडर ग्रैनुल
50. पोटेशियम क्लोरेट
51. पोटेशियम साइनाइड
52. पोटेशियम फीरो-साइनाइड
53. टेप-ड्रैक मैकेनिज्म के लिए प्रेस किए हुए/पंच किए हुए धातु के पुर्जे और आई कास्ट पुर्जे
54. पी०टी०एफ०ई० फेब्रिक/फैल्ट/ब्रिड्स
55. पी०बी०सी० रेजिन्स
56. पाइरा-जिनामाइड
57. कच्चे काष्ठ
58. कच्ची ऊन/मोहैयर
59. रायन श्रेणी की बूल पल्प
60. शीट्स/क्वायल्स टू बायलर/प्रेसर बैसल क्वालिटी

61. गैलोक/सीड साख
62. सोडा ऐश
63. साल्वेंट्स
64. क्रिस्टैक्स/इनसोलूब सल्फर सहित 20 प्रतिशत आयन ट्रीटिड सल्फर
65. सिंथेटिक रबड़ जैसे म्यूटाइल रबड़, नियात्रिन/क्लोरो-प्रिन हाइपालोन विटन, पी० टी० एफ०ई० और ई०पी०डी०एम०
66. टारब्रिक एसिड
67. टिन फायल
68. ट्रेसिंग पेपर
69. ट्रेसनोनियल फिनाइल फासफाइड
70. टगस्टन डिस्क/टगस्टन कंटेनर
71. टंकस्टन लवण
72. विटामिन बी-6
73. बूलन रैंग्स/सिंथेटिक रैंग्स/शोडी ऊन
74. 99.99 प्रतिशत शुद्धता के जिक तार

भाग 3

वास्तविक उपयोगता और अन्यो द्वारा भंडारण करने और बिक्री के लिए आयात करने के लिए अनुमति मदे —

1. अल्युमीनियम स्क्रैप/ड्रोस
2. ब्रास स्क्रैप/एश/ड्रोस
3. कापर स्क्रैप/कापर मिल स्केल
4. टिन ड्रोस/ऐश/रेजिड्यूज और टिन अलाय/रेजिड्यूज
5. जिक स्क्रैप/जिक अलाय स्क्रैप/एश/ड्रोस
6. निकल सिल्वर स्क्रैप (जर्मन सिल्वर स्क्रैप)
7. चमड़े को कमाने के लिए बैटल छाल
8. बैटल सत्त
9. अक्स-माजित चर्म, छाल, पेल्टस, स्पलिट्स और उनके भाग
10. चर्म और छाल, कच्ची या लवणित जहां कि चर्म और छालों का मूल्य उनके ऊपर के ऊन/बालों से अधिक हो ।
11. बैट ब्ल्यू क्रोम कमाया हुआ और तैयार चमड़ा
12. ल्यूब्रोचो सत्त, बेस्टनट सत्त और आशोधित यूकेलिंठम सत्त (मिरटन)
13. बबूल का गोंद
14. 800 डेनियर से कम का विस्कोस फिलामेंट यार्न
15. कप्रेमोनियम फिलामेंट यार्न और एमिटेड फिलामेंट यार्न
16. उपर्युक्त भाग-1 और भाग-2 में जो मदे शामिल हैं, उनसे भिन्न जो लायू आयात नीति के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत अनुमति हैं, वे सभी मदे ।

टिप्पणी :

- (1) यह स्पष्ट किया जाता है कि इस सूची (भाग-1, 2 और 3) की प्रविष्टियों केवल उन्हीं मदे, आकारों, किस्मों, विभिन्नताओं, संयोजनों, श्रेणियों आदि की अनुमति देती है जो वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के लिए खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमति हैं, देखिए परिशिष्ट 10 की मद 1 और 2

अर्थात् वे मर्चे या उनके विशिष्टीकरण आदि जो आयात-निर्यात नीति, "अप्रैल, 83--मार्च 1984 (भाग-1) के अध्याय 22 में निहित स्पष्टीकरणों के साथ पढ़ जाने वाले परिशिष्ट-3 में 9 और 15 के अधीन नहीं आती हैं।

- (2) घासिक पुस्तकों के रद्दी कागज के रूप में आयात की अनुमति उपर्युक्त भाग 1 में प्रविष्टि संख्या 65 के अन्तर्गत नहीं दी जायेगी।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 1/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 296(F):—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions :—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 and 15 of the Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I);
- (2) Instruments shall not be allowed to be imported under this Licence;
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition;
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it;
- (5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number & Date of the Industrial Licence/Registration and the end product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In case, no phased manufacturing programme has been approved for them, they should say so in the declaration. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority, concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual Users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.
- (6) Import of components by DGTD units shall be subject to the List Attestation Procedure laid down in the relevant Import Policy for 1983-84. Actual Users (Industrial), registered with DGTD, and subject to phased manufacturing programme, shall furnish at the

time of clearance through Customs, a list of components duly cleared for import & attested by DGTD, or their own declaration on the list of Components that was furnished to the DGTD for attestation, to the effect that the list produced is the same which was furnished to DGTD (Import & Export Policy Cell) Udyog Bhavan, New Delhi and has not been received back by the Actual User concerned from DGTD within 30 days from the date the list was received in the DGTD. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their quantity/value shall be intimated by the Actual User to DGTD within 30 days of clearance through Customs;

- (7) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence;
- (8) Actual Users (Industrial) having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "proposed" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, but in their case, the import will be allowed only to the State Industrial Development Corporation or State Financial Corporation on behalf of the Actual User, or on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the CIF value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material.
- (9) All Industrial Units in large scale sector shall submit to the DGTD, New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item, periodical return indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial units in the small scale sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 30th September, 1983 and 31st March, 1984. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (10) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (11) In respect of man-made fibre, tow, yarns, raw wool, mohair, woollen rags/synthetic rags/ shoddy wool, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered;
- (12) Import of man-made fibres, tow and yarns under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior

registration of contracts with the Textile Commissioner Bombay as in (11) above;

- (13) In the case of DMT/TPA, import will be allowed only on the basis of import contracts registered with the Ministry of Energy, (Department of Petroleum), New Delhi. The procedure for registration of contracts with the Department of Petroleum, shall be the same as in (11) above.
- (14) In the case of Soda Ash, PVC Resin, Wood pulp, Caustic Soda and Synthetic Rubber of the varieties covered by OGL, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import) & Export Policy Cell, Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (11) above;
- (15) (i) In the case of woollen rags/shoddy wool/synthetic rags, clearance of imported goods will be allowed by the Customs authorities only after the goods have been completely mutilated.
(ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :
(a) 'New'—waste woollen cloth whether woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunches and sample bits;
(b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair;
(iii) This definition shall apply mutatis-mutandis to synthetic rags.
- (16) In the case of raw cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing units) in accordance with the Policy in force in this regard.
- (17) In the case of raw cashew nuts, it shall be a condition that immediately after the contract for import is entered into, half of the quantity to be imported shall be offered to the Cashew Corporation of India for distribution to Actual Users (Processing Units) in such manner as may be laid down by Government from time to time. The import contract shall also be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution;
- (18) In the case of Carbon steel items, permitted for import in this Licence, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta or with any this regional offices, within 15 days from the date of entering into such contracts. The procedure for registration of contracts with the Iron and Steel Controller, shall be the same as in (11) above;
- (19) In the case of iron and steel items covered by this Licence, Oil Refineries will also be eligible to import, subject to prescribed conditions;
- (20) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New, Delhi, particulars of the items imported the quantity and the c.l.f. value thereof;

- (21) In respect of certain items, in the Schedule to this Licence, the names of specific industries have been mentioned. For these items, only the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under OGL;
- (22) Items covered under Part III of the Schedule to this licence can be imported under Open General Licence by Actual Users (Industrial) and others, for stock and sale;
- (23) In the case of brass/copper pipes and tubes imported as scrap, their size shall not exceed 15 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes;
- (24) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/ authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;
- (25) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa;
- (26) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984 or, in the case of Actual User (Industrial), on or before 30th June, 1984 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 29-2-1984, without any grace period what-so-ever;
- (27) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted;
- (28) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/83]

SCHEDULE TO OGL NO. 1/83

Dated The 15th April, 1983

Raw materials, components and consumables allowed under Open General Licence.

PART I

Items allowed for import by Actual Users (Industrial) only, subject to Actual User condition:—

1. Acrylic fibre tips and ink cartridges for writing instruments.
2. Alfa amyl cinnamic aldehyde.
3. Amyl alcohol.
4. Antimony oxide.
5. Battery depolarized chemical of gamma variety.
6. Beryllium copper strips.
7. Bifurcated and tubular rivets
8. Bismuth.
9. Black paper (Photographic grade)
10. Blades for shearing and cropping machines, For Textile Mills only.

11. Bleaching Earth.
12. Boiler, tubes ERW variety: 8mm to 80 mm OD.
13. Cast iron pressure non-pressure tubes and pipes excluding those in App. 3.
14. Cellulose film/sheet (cellophane paper)
15. Centrifugally cast seamless steel pipes and tubes (including stainless steel) upto 375 mm dia.
16. Chemical porcelain ware and ceramics for over 1200°C temperature applications.
17. Chlorinated diphenyl.
18. Civil Engineering instruments, the following:—
 - (1) Strain transducers.
 - (2) Stress transducers.
 - (3) Displacement transducers.
 - (4) Pressure transducers.
19. Cotton linters.
20. Copper/aluminium/micro metal sheets used in the manufacture of blocks. For printing units only.
21. Copper moulds (for continuous billet Castings). Integrated Steel Plants, mini Steel Plants and electric arc furnace.
22. Cupro Nickel (like German Silver etc.) Semis, flat products and wire.
23. Cyanic chloride.
24. Dies for teeth mould-electroform
25. Di-chloro acetic acid.
26. Dimethyl acetamide.
27. 2-Ethyl Hexanoic acid (Octoic acid).
28. Endless triple wire mesh of 65/195 or finer.
29. Epoxy plasticizers.
30. Etching chemicals i.e. additive filming agents. For Printing Units only.
31. Ethylene glycol mono ethyl ether acetate.
32. Film splicers.
33. Filter paper including impregnated.
34. Filter paper for Tea bags heat seal/non-heat seal type. For manufacture of Tea bags only.
35. Flameproof cable half couplers, straight adapters and bent adapters.
36. Flocculating agents based on polyacrylamide (dispex).
37. Furfuralamine.
38. Gas lighter elements.
39. Glass Micro fibre paper filters.
40. Glass screens and contact screens (grey and magenta)/colour fillers. For printing units only.
41. Glycol ethers, the following:—
 - (i) Ethylene glycol monomethyl ether.
 - (ii) Ethylene glycol monethyl ether.
 - (iii) Ethylene glycol monobutyl ether.
 - (iv) Diethylene glycol monomethyl ether.
 - (v) Diethylene glycol monoethyl ether.
 - (vi) Diethylene glycol monobutyl ether.
 - (vii) Ethylene glycol monophenyl ether.
 - (viii) Ethoxy triglycols.
42. Glycerine.
43. Gunmetal bushes.
44. Heat absorbing filters.
45. Hexachloroethane.
46. Impregnating oil for electric paper board insulators and cable filling oils/compounds. For units engaged in cable industry only.
47. Industrial diamonds including powder (other than gem variety).
48. Infra-red bulbs.
49. Iso amyl alcohol.
50. Isopropyl alcohol.
51. Lead glass tubing.
52. Lead scrap including Ash, Skimming, Blowings and Drosses.
53. Lithographic coated plates.
54. (i) Litho rules for perforating, slitting creasing etc. For printing units only.
54. (ii) Anti off-set spray powder.
55. Magnesium powder.
56. Metal plates for rotary press.
57. Methyl Isobutyl Ketone.
58. Misch metal.
59. Molybdenum based greases and lubricants.
60. Monel wire.
61. Multimesh disc filters (spinneret filters) and elements.
62. Needles for industrial sewing machines
63. Non-liner field discharge resistors.
64. Nylon Pre-oriented Yarn (NOY)
65. Paper waste. Units engaged in the manufacture of pulp/paper and paper board.
66. Perchloroethylene.
67. Pigment finishes for leather.
68. Polyester Staple Fibre.
69. Quality control film strips and targets. For Printing units only.
70. Quartz glass and products thereof.
71. Radio Active material. Actual Users on production of recommendation from Deptt. of Atomic Energy.
72. Rare Earth Oxide including rutile sand.
73. Rubber blankets, rubber cots and aprons for drafting machines and condensor rubbing aprons for woollen cards.
74. Sensors/transducers.
75. Shuttle cock bottom.
76. Silicone compounds/fluides/oils/resins (excluding chlorosilanes).
77. Sodium methoxide.

78. Sodium sulphate.

79. Specialised tissues, the following:—

- (a) Carbonising tissues, and
- (b) Coloured and pectoral cigarette tissues.

80. Stopper heads and nozzles other than fire clay stopper heads and nozzles. Integrated Steel Plants.

81. Synthetic ruby, unworked.

82. Tetrachloroethane.

83. Trichloroethylene.

84. Tri-ethanolamine Lauryl sulphate.

85. Type high numbering machine.

86. Used/scrap rubber tyres/tubes (each tyre/tube subjected to at least one cut before shipment from the exporting country or before clearance from the customs) For units engaged in reclaiming rubber.

87. Viscose Staple Fibre.

88. Wax emulsions.

89. All components, of machine tools machinery, equipment, instruments and other engineering items (including consumer durables), covered under OGL excluding electronic components.

90. Nylon Waste. (Actual Users (I) engaged in recovery of Caprolactum as certified by DGTD, New Delhi only).

91. Raw materials, components and consumables required for Electronics Industry, the following:—

- (i) Phenolic/SRBP/Ceramic bases/substrate resistive.
- (ii) Conductive compositions.
- (iii) Turned parts like spindle, PC pins.
- (iv) Pressed parts like tags, wipers.
- (v) Casings either die cast, pressed moulded.
- (vi) Special springs.
- (vii) Moulded parts for multiple pots.
- (viii) Sealing materials.
- (ix) Resistive/conductive inks.
- (x) Contacts in various shapes including carbon and precision metals.
- (xi) Contact carriers.
- (xii) 'O' Rings.
- (xiii) Resistance wire of various specifications.
- (xiv) 3-4-of cermet.
- (xv) 3-7-of Carbon.
- (xvi) Formers for winding like insulated copper wires and phenolic.
- (xvii) Ceramic bases.
- (xviii) Contacts of metals, carbons and combination thereof.
- (xix) Pressed components.
- (xx) Tinned Components.
- (xxi) Epoxy paints.
- (xxii) Epoxy thinner.
- (xxiii) Epoxy hardner.
- (xxiv) Polypropylene film.
- (xxv) Piezo-o electric elements.
- (xxvi) Copper beryllium formed products.
- (xxvii) Copper wire/strips (oxygen free types)
- (xxviii) Graphite jigs.
- (xxix) Laminations/strips of Mu metal/Radio metal.
- (xxx) Litz wire/Rayon Covered copper wire.
- (xxxi) 'KOVAR' and alloys of Nickel-iron/cobalt in all forms.

PART II

Items allowed for import by Actual Users (Industrial) subject to Actual User condition, and Export Houses/Trading Houses against REP/Additional licences, as per policy for sale of eligible Actual Users (Industrial) subject to Actual User Condition :—

1. Acetone.
2. Acrylic moulding powder.
3. Alloy steels in any form/shape/section.
4. Aluminium glycinate.
5. Aluminium wire/strips of purity 99.99%.
6. 4:4 Bonzidine, 2:2 disulphonic acid.
7. Black Centered Board.
8. Bleaching powder and hypo chlorites.
9. Carbon Steel items to IS-2062 or equivalent specification.
10. Carbon Steel rolled blooms above 400 mm.
11. Caustic Soda.
12. Corkwood, cork waste and cork dust and cork powder of 200 mesh.
13. Cold rolled carbon steel strips 12 mm wide and below.
14. Components of DC micro motors/stepper motors/servo motors /Ac synchronous motors of ratings upto 12 Volts and 20 watts.
15. Components of relays connectors and switches.
16. D.M.T./T.P.A.
17. Drugs/Drug intermediates.
18. Dye intermediates.
19. Ethylglycol.
20. Ethylene dibromide.
21. Eucalyptus gum chips.
22. Ferro-nickel.
23. Geranium oil.
24. Glass capillary tubing for thermometers.
25. Glass shells for GLS lamps.
26. High grade molybdenum ore, Molybdenum metal including scrap, Molybdic oxide, Molybdenum oxide, Molybedenum powder.
27. Iodine.
28. Ivory unmanufactured.
29. Insecticides, pesticides and weedicides.
30. Lithopone.
31. Man made fibres/yarns (other than these in Part I and III).
32. Mercury/mercury ammoniated.
33. Microwave components of all types.
34. Naphthalene crude.
35. Natural essential oils.
36. Nitric acid.
37. Nylon mono filament bristles.
38. Parachloro benzoic acid.
39. Para chloro toluene.
40. Para tertiary butyl phenol.
41. Phosphorous acid.
42. Phosphoric acid (other than industrial grade).
43. Pitch.
44. Plain/metallized condensor tissue paper.
45. Plain/metallised capacitor tissue paper.

46. Plain/metallised Kraft/Tissue paper.
47. Plate/float/sheet glass.
48. Polycarbonate (Thermoplastic raw material).
49. Polycarbonate moulding powder/granules.
50. Potassium Chlorate.
51. Potassium cyanide.
52. Potassium ferro-cyanide.
53. Pressed/punched metal parts and die-cast parts for Tape Dech Mechanism.
54. PTFE Fabric/felt/threads.
55. PVC Resins.
56. Pyrazinamide.
57. Raw cashewnuts.
58. Raw Wool/Mohair.
59. Yon grade Wool pulp.
60. Sheets/Coils to boiler/pressure vessels quality.
61. Shellac/seed lac.
62. Soda Ash.
63. Solvents.
64. 25% oil treated sulphur, including crystex/insoluble sulphur
65. Synthetic rubber viz. Butyl rubber, Neoprene/chloroprene, Hypalon, Viton, PTFE and E.P.D.M.
66. Tartaric acid.
67. Tin foil.
68. Tracing Paper.
69. Trisnonyl phenyl phosphite.
70. Tungsten Disc/Tungsten Contacts.
71. Tungsten salts.
72. Vitamin B₆.
73. Woollen rags/synthetic rags/shoddy wool.
74. Zinc wire of 99.99% purity.

PART III

1. Items allowed for import by Actual Users, and others for stock and sale :—

1. Aluminium scrap/Dross.
2. Brass scrap/Ash/Dross.
3. Copper scrap/copper milk scale.
4. Tin dross/Ash/Residue and Tin alloy/Residues.
5. Zinc scrap/Zinc alloy scrap/Ash/Dross.
6. Nickel Silver Scrap (German Silver Scrap).
7. Wattle Bark for tanning leather.
8. Wattle Extract.
7. Pickled hides, skins, plets, splits and parts thereof.
10. Hides and skins, raw or salted where the value of hides and skins is more than that of wool/hair thereon.
11. Wet Blue Chrome tanned and finished leather.
12. Luebrocho extract, chestnut extract and modified eucalyptus extract (Myrtan).
13. Gum Arabic.
14. Viscose filament yarn below 600 denier.
15. Cuprammonium filament yarn and Acetate Filament Yarn.
16. All other items permitted under Open General License terms of the import policy in force, other than those covered by Parts I & II above.

specifications, sizes, types, varieties, compositions categories etc, as are covered under Open General License for Actual User; (Industrial) vide items 1 and 2 of Appendix 10 i.e. the items of their specification etc. which do not appear in Appendices 3 to 9 and 15, read with the clarifications contained in Chapter 22 of Import & Export Policy-April, 1983 March, 1984.

(2) Import of religious books shall not be allowed as waste paper under entry No. 65 in Part I above

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं० 283

कुल सामान्य लाइसेंस सं० 283

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० भा० 207(अ)—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा 1983-84 (जिल्द-1) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट 2 में विशिष्टीकृत विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) आयातक वास्तविक उपयोगिता शर्त के साथ अपने निजी कार-खाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसर में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता वाले महानिर्देशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रायोजक या सरकारी प्राधिकारी के साथ पूंजीगत एक वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक या गैर औद्योगिक) हो।

(2) निम्नलिखित पूंजीगत माल के आयात द्वारा आवेक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।

(3) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मशीनें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब ही जाएगी जबकि मशीनरी केवल 10 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और निकासी के समय आयातक आयात किए जाने वाले देश के किसी स्वतन्त्र व्यावसायिक समीक्षक/किसी समतुल्य संस्थान से एक प्रमाण-पत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी को निम्नलिखित बातें निविष्ट करते हुए प्रस्तुत करेगा :—

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम,

(ख) विनिर्माण का वर्ष,

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान दशा और उसका प्रयोजित शेष जीवन,

(घ) यदि नया माल खरीदा गया है तो तुल्य पूंजीगत माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।

(4) आयातित माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (गैर-औद्योगिक) उसके द्वारा धारित उस पंजीकरण प्रमाणपत्र की शूल रूप से या फोटोस्टेट प्रति (वर्तमान समय में वैध) के रूप में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उसको आयात करने के लिए पात्रता प्रदान करते हुए शाप्ट एवं इस्टेब्लिशमेंट एक्ट, सिनेपेटिओग्राफिक एक्ट या संबंध स्वामीय कानून के अंतर्गत जारी किया गया हो।

(5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) सम्बद्ध सीमाशुल्क प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के

NOTES : (1) It is clarified that entries in this List (Part I, Part II and Part III) allow only those items and their

रूप में अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण का ध्वीरा देते हुए अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संध्या और विनाई और विनियम की अंतिम उत्पाद (वे) और यह पुष्टि करते हुए कि (1) : ऐसे लाइसेंस/पंजीकरण न तो रह किए गए हैं या वापस लिए गए हैं या अन्यथा रूप से प्रचालन में हैं, और (2) आयातित माल औद्योगिक एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण की शर्तों विलकुल अनुसार हैं, एक घोषणा-पत्र सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगा। उन मामलों में जहां सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकरण द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण सं० नहीं दी गई है आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

- (6) आयात किए गए पूंजीगत माल का विवरण देते हुए 30 सितम्बर, 1983 और 31 मार्च, 1984 के अनुसार उनके लागत बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आवधिक विवरण भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण निविष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (7) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (8) यह माल 31 मार्च, 1984 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये जाहे जो भी हो, भारत को परेषण के अर्थों में भेजे गए हों या 29-2-1984 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गयी पक्की संधिदा के सह 31-3-1985 को या इससे पूर्व लदान कर दिए गए हों।
- (9) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त-1 के अधीन होगा।
- (10) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (11) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, उसे-वामिल या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या वील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कारणों का अनुपालन करना चाहिए।

[मि०स०आई०पी०सी/3/2/83]

ORDER NO. 2/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/83

Delhi the 15th April, 1983

S.O. 297(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Import & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods of the description specified in Appendix 2 of Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I), subject to the following conditions :

- (i) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as

the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned ; subject to "Actual User" condition ;

- (ii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity ;
- (iii) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :
 - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
 - (b) Year of manufacture;
 - (c) Present condition of the Plant and machinery and its expected residual life.
 - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.
- (iv) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish to the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import;
- (v) Actual User (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial Licence registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number & Date of the Industrial Licence/Registration and the endproduct(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative and (ii) and the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licenced/registered as industrial unit and is eligible to the import made;
- (vi) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, giving the description of Capital Goods imported and their c.i.f. value as on 30th September, 1983 and 31st March, 1984. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (vii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984, or shipped on or before the 31st March, 1985 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1984 without any grace period whatsoever;
- (ix) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule E to the Imports (Control) Order, 1955;

- (x) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;
- (xi) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) may be subject, under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC /3/2/83]

आदेश सं० 3/83

जुला सामान्य लाइसेंस संख्या 3/83

नई दिल्ली: 15 अप्रैल, 1983

का० आ० 298(अ) :- आयात तथा निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एम्बेड्डेड वस्त्रों अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ का छोड़कर विश्व के किसी भी देश से 1983-84 की आयात निर्यात नीति (जिन्हें 1) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में प्रवर्णित नहीं है निम्न अधिनियम फालतु पुर्णों के रूप में अपेक्षित सभी अनुमति पुर्णों जो वास्तविक उपयोगकर्ताओं द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए उपयोग, अनुषंगी उपस्कर, निर्यात और प्रयोगशाला उपस्कर, और मरम्मत उपकरणों सहित, 1-4-83 को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हैं। उनके आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देनी है :-

- (1) वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंसों/पंजीकरण प्रमाणपत्रों अथवा औद्योगिक लाइसेंस/औद्योगिक एका के रूप में सम्बद्ध प्राधिकारियों के पास पंजीकरण की सूची तथा विनांक और विनिर्दिष्ट अंतिम उत्पाद का विवरण देते हुए एक ऐसा घोषणापत्र देगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा पृथक पंजीकरण नियत नहीं किया गया है, आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की इस मंतिम के लिये अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंसधारी/औद्योगिक एका के रूप में पंजीकृत है और किये गये आयात के लिये पात्र है।

- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगकर्ता (गैर औद्योगिक) वृत्त और स्थापना अधिनियम, सिनेमेटोग्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाणपत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेगे जो आयात को प्रभावी बनाने के लिये उन्हें हस्ताक्षर करायेंगे।

- (3) मगणक प्रणाली के मामले में अनुमति फालतु पुर्णों के आयात की अनुमति आयातित मगणक के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के 3 प्रतिशत पर या देशी विनिर्दिष्ट मगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 1 प्रतिशत पर दी जायेगी। आयातित माल की निकासी के समय जैसा भी मामला हो, आयातक को सीमा शुल्क प्राधिकारियों को सही लेखापाल/आगत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या संबंधित प्रयोजित प्राधिकारियों

को लागत बीमा भाड़ा मूल्य या मगणक प्रणाली की खरीद मूल्य की प्रवर्णित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिये। उन्हें इस संबंध में एक घोषणापत्र भी देनी चाहिये कि जिस परेषण की निकासी की जा रही है उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आयात किये गये माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अनुमति सीमा से ज्यादा नहीं हो। सतदी/आगत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिये।

- (4) वे लघु क्षेत्र के एकक जिनके पास सम्बद्ध प्रायोजित/प्राधिकारियों के अन्तिम पंजीकरण है, वास्तविक उपयोगकर्ताओं की ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इस लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र होंगे।

- (5) वास्तविक उपयोगकर्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निश्चित रूप और विधि से उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारियों को उनके द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

- (6) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के अधीन भी होगी।

- (7) वास्तविक उपयोगकर्ता 30-9-1983 और 31-3-1984 को नीचे लिखे गये प्राधिकारियों को एक आधार्थिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मालों के मूल लागत बीमा भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मालों के बीरे जिनका कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य 2 लाख रुपये से अधिक हों को दर्शाया जायेगा :-

- (i) बृहत पैमाने क्षेत्र के औद्योगिक एककों के मामले में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, और

- (ii) अन्य वास्तविक उपयोगकर्ताओं के मामले में सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपयुक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जायेगा।

- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्दिष्ट न किया गया हो।

- (9) ये माल 31 मार्च, 1984 को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाये, जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या 29-2-1984 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे 31-3-85 को या इससे पूर्व लदान कर दिये जाते हैं।

- (10) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाले विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

- (11) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे वास्तविक या किसी आवश्यकता को अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति छूट या डील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिये लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिये।

[मि० सं० आई पी सी/3/2/83]

ORDER NO. 3/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 298 (E):—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives the general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, "permissible" spares i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30, in the Import and Export Policy 1983-84 (Vol. I), as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April, 1983, by Actual User (Industrial or Non Industrial), subject to the following conditions :

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their industrial licence/registration certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence/Registration with concerned authority as industrial unit and end-product(s) manufactured and solemnly affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and is eligible to the import made.]
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the Imports;
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 3% of the c.i.f. value of imported computers or one% per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities, a certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary (in practice), or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value of the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director of an employees of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

- (vi) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) The Actual Users shall furnish periodical returns, as on 30th September, 1983 and 31st March, 1984 to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—
 - (i) Sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector; and
 - (ii) regional Import-licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users. Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984, or shipped on or before 31st March, 1985 against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29-2-1984, without any grace period whatever.
- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (xi) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[F. No. 1PC/3/2/83]

अदेश सं० 4/83

बला सामान्य लाइसेंस सं० 4/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०बा० 298(अ)—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से नीचे विनिर्दिष्ट माल का आयात करने के लिये सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) 2,000 रु० मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूची-पत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार ;
- (2) मशीनरी और संयंत्र स्थापनों, कार्य और निर्माण, अनुसंधान, आकड़ों से संबंधित वे बाके और ड्राईंग (माइक्रो फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किये जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है ;
- (3) एक प्रेषण में अधिकतम 20,000 रु० के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किये जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी समूह जिनमें बनस्पति बीज, मधु-मक्खियाँ, चाय और नये सेबज शामिल नहीं हैं ;
- (4) मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल बिज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही प्रेषण में 2,000 रु० के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से अधिक न हो ;
- (5) विदेशी संस्करणों द्वारा मुफ्त में संभरित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिये

तुटिपूर्ण/या धन-परिवहन या या-या के बाद हो गया हो/टूट फूट गया हो, उनके बर्तन में किसी बीमा कंपनी द्वारा तद-किये गये बीमा (मरुदीय) या समग्र बीमा निर्माता के दावे के सहे आयातित मांग, बगलें कि :-

- (क) प्रतिस्थापन वाले मांग का पोत-वहन पहले आयात किये गये माल का सीमा-शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों धनवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों से अधिक हो तो पोत-वहन गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो;
- (ख) जिस मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस शर्त के अधीन न हो कि आयात के प्रतिस्थापन के लिये बीमा और/या भाई का भुगतान करेगा और धन परेशन करने समय इस संबंध में दस्तावेजों माध्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अतिरिक्त किसी भी प्रकार के धन परेशन की अनुमति नहीं दी जायेगी;
- (ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिये प्रस्तुत किये जाएंगे :-
 - (1) मूल में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के माध्य के रूप में यह प्रदर्शित करने हुए मूल पत्र की माल मूल संभरित किया जा रहा है;
 - (2) लाइसेंस एजेंट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीम सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाणपत्र या मशीन या उसके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वातंत्र्यी मरदी इजीनियर (या सरकारी बिभा.) और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के मामलों में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाणपत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में छुटिपूर्ण दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी;
 - (3) जिस मामले के उपर्युक्त उप-खंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोत-वहन किया गया हो तो उस मामले में मशीनों या उनके पुर्जों के लिये विदेशी संभरक या मांग परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करने हुए माध्य;
 - (4) नए सिरे से धन-परेशन वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कंपनी द्वारा मांगे गये भुगतान का माध्य। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति बीमा कंपनी द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक दी जायेगी, परन्तु इस धनराशि में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है;
- (6) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी शर्त के अधीन रोग विषयक परीक्षणों के लिए मूल में संभरित भेषज और औषधियाँ/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा;
- (7) विदेशी संभरकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को मुफ्त में संभरित भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक

परेषण में आयात-बीमा-आश्वासन में 10 हजार रुपए से अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश के साथ जो कि माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी;

- (8) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित सिफारिश, जो माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संभरित मानव टीके और सेरा;
- (9) राज्य पशु पालन निदेशक, अथवा पशु पालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली को लिखित सिफारिश पर निःशुल्क अथवा भुगतान के मद्दे भेजे गए पशु टीके जिसमें सर्पि पालन टीका भी शामिल है, जिनके लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है।
- (10) कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र के आधार पर मुफ्त संभरित किए गए कीटनाशी (महामारी-नाशी और शासपाल नाशी महिल) के तकनीकी और व्यापार नमूने और कृषि अधिनियम की अनुसूची में शामिल की गई मर्दों के संबंध में निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं;
- (11) उपर्युक्त क्रम सं० (8) से (10) में वर्णित गयी मर्दों के संबंध में, जहाँ पर मर्दें मुफ्त में भेजे गयी हों, अनुमति माल के आयात की अनुमति उपरोक्ता या खुदरा पकिंग में नहीं होगी और प्रेषित माल पर साफ-नाक अक्षरों में नमूने बिक्री के लिए नहीं अंकित होगा;
- (12) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित व्यापार सूची-पत्र एवं परिपत्र, बाले एवं ब्राइंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा;
- (13) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य विषय या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा;
- (14) यह लाइसेंस खूने सामान्य लाइसेंस सं० 4/82 का अतिरक्षण करता है जो कि आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं० 4/82, दिनांक 5 अप्रैल, 1982 के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था।

[मि० सं० आई० पी० सी० ०/३/२/८३]

ORDER No. 4/83

OPEN GENERAL LICENCE No. 4/83.

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 299(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa/South West Africa:

- (1) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;
- (2) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building, research data, supplied free of charge and having no commercial value;

- (3) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value, in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs;
- (4) Bonafide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000/ in c.i.f. value, in one consignment;
- (5) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claim settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit unsuitable for use or lost/damaged after import, provided that:
 - (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;
 - (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;
 - (c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods:
 - (i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacements;
 - (ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent chartered engineer, (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;
 - (iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers of consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;
 - (iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten percent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement;
- (6) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (7) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (8) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (9) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of either the State Director of Animal Husbandry or the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, or any other officer authorised by the Ministry of Agriculture, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (10) Technical and trade samples of the insecticides (including) pesticides and weedicides, supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;
- (11) In respect of items covered by Sl. Nos (8) to (10) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible materials shall not be allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale".
- (12) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold;
- (13) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;
- (14) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/82 published vide Import Trade Control Order No. 4/82 dated the 5th April, 1982.

[File No. IPC/3/2/83]

आवेश संख्या 5/83

कुला सामान्य लाईसेंस संख्या 5/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 300(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट, वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला, उच्च शिक्षा संस्थान एवं जिकित्सालय जो केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत है को उनके द्वारा अपेक्षित कच्चे माल, मशीनों, उपकरणों, यन्त्रों, उप-साधकों और काल्पु पुर्जों की मशीनों का वक्षिणी अफ्रीका/वक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) आयातक विकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार जो भी हो, द्वारा अपनी मांगत

का विवरण देते हुए और यह घोषणा करते हुए कि आयातित मर्दों उनके निजी उपयोग के लिए अपेक्षित हैं, एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, वह यह भी घोषणा प्रस्तुत करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है।

- (2) उपभोग्य माल की मर्दों वाले उनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति नहीं होगी। इस लाइसेंस के अन्तर्गत कार्यालय मर्दानों का आयात भी अनुमति नहीं होगा।
- (3) इस प्रकार आयातित माल का उत्पादन अथवा विनिर्माण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में न किया गया हो।
- (4) कम्प्यूटर प्रणाली और फालतू पुर्जों के संबंध में आयात की अनुमति इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली द्वारा निकासी प्रदान करने पर ही दी जाएगी।
- (5) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोजनार्थ किसी भी प्रकार के जीवित एवं तनुकारी माइक्रो ऑर्गेनिज्म के आयात के मामले में, सीमा शुल्क निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए भारत सरकार, कृषि मंत्रालय के पशुपानन आयुक्त की पूर्ण अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए।
- (6) आयातक पत्र से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपये अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उसके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा :-
 - (1) अनुसंधान एवं विकास एककों और वैज्ञानिक तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली को।
 - (2) इलेक्ट्रॉनिक मर्दों के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, नई दिल्ली को।
 - (3) तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली को उन मामलों में जिनमें एकक उनके पास पंजीकृत किया गया हो।
 - (4) चिकित्सालय और उच्च शिक्षा संस्थान जो भी हों, के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबंध प्रणालीय मंत्रालय को।
- (7) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश 1955 की अनुसूची-5 में शर्त 1 के भी अर्थात् होगा।
- (8) ऐसा माल बिना किसी रियायती अवधि के, चाहे वह अवधि कुछ भी हो, 31 मार्च, 1984 को अथवा उससे पूर्व भारत को लाने कर दिया गया हो अथवा 29 फरवरी, 1984 को या उससे पहले की गई और विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की संधि के मुद्दे। मशीनरी/उपकरण/फालतू पुर्जों के मामले में 31 मार्च, 1985 को अथवा इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से लाने कर दिया गया हो।
- (9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मिसिल सं. आई.पी.सी. 3/2/83]

ORDER No. 5/83

OPEN GENERAL LICENCE No. 5/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 300(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (13) 68 GI/83—3

of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, and spares, required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or State Governments, subject to the following conditions:—

- (i) The importers shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R & D units, they shall also declare that the imported item is required for R & D purposes.
- (ii) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of office machines will also not be allowed under this Licence.
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (iv) In respect of computer systems and their spares, the import shall be allowed on production of clearance by the Department of Electronics, New Delhi.
- (v) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R & D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Ministry of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (vi) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more:—
 - (i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R & D units and Scientific and Research Laboratories.
 - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
 - (iii) DGT, New Delhi, in the case of units registered with them.
 - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (vii) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984 or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March, 1985 against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1984, without any grace period whatsoever.
- (ix) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 6/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 6/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 301(अ) :- आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण-अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ का छोड़कर, किसी भी देश से आयात एवं निर्यात नीति 1933-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 8 और 9 में निहित संशुद्ध मंत्रों के सामने उल्लिखित मनोनीत मार्गदर्शक श्रेणियों (श्रेणी-बद्ध) अधिकारणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विशिष्टीकृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :-

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे।
- (2) आयातित माल का निर्यात संशुद्ध शरणविषय अधिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 30 सितम्बर, 1984 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। बशर्ते कि 31 मार्च, 1984 को या इससे पहले पक्के आदेश कर दिए गए हैं।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अर्धन होगा।
- (6) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल सं० आई०पी०सी० 3/2/83]

ORDER No. 6/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 301(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 8 and Appendix 9 of Import & Exports Policy, 1983-84 (Vol. I), by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendices subject to the following conditions:—

- (i) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose ;
- (ii) Imported goods shall be distributed by the Canalising Agency concerned in accordance with the policy and Procedure laid down;
- (iii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (iv) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September, 1984, without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March, 1984;

(v) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(vi) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported.

[File No IPC/3/2/83]

आदेश संख्या 7/83

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 7/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 302(अ) :- आयात-निर्यात (नियंत्रण), अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जियों, जुड़नारों, मोल्ड्स ब्राइज एवं पेटर्स (बाया कामिक के लिए मोल्ड्स सहित) मोल्ड्स के पुजों और प्रेस औजारों (1983-84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1, 3 और 4 में प्रशस्ति से भिन्न) और उनके पुजों के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :-

- (1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मशीनों की आवश्यकता रखने हुए, मशानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली या सम्बद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) हो,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मशीनें हों तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब कि मशीनरी केवल 10 वर्ष से अधिक से अधिक पुरानी न हो और शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उस देश के स्वतन्त्र व्यावसायिक सन्दी अभियन्ता/इसके समतुल्य संस्थान से एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा जहाँ से आयात किया जाता है और उसमें निम्न-लिखित को दर्शाया जाएगा :-
- (क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माण का नाम,
- (ख) विनिर्माण का वर्ष,
- (ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसका सम्भावित शेष जीवन,
- (घ) यदि नया खरीदा गया हो, समतुल्य पूंजीगत मूल्य का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।

(3) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण अर्थात् औद्योगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोगिता को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण संख्या तथा दिनांक और विनिर्मित अन्तिम उत्पाद के ध्येरे देते हुए सम्बद्ध वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) माल की निकासी के समय सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा पत्र यह शपथ लेते हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अप्रभावी किया गया है जिन मामलों में सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण सं० आर्बिटि न की गई हो उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को संतुष्टि के लिए अन्य उचित साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

(4) 30-9-1983 और 31-3-1984 को आयातित पूंजीगत माल और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय

में मासिकी निदेशक को आवधिक विवरण-पत्र भेजेगा। ऐसा प्रत्येक विवरण-पत्र निदिष्ट अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 में शर्त सं० 1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (7) ऐसे माल का पोतलवान 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व भारत को प्रेषण के माध्यम से या 29-2-1981 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय आयात पत्रों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जा कुछ भी हो इसमें किसी किस्म की रियायती अवधि की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
- (8) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोग (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उत्पत्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिसिल सं० आई०पी०सी०/3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 7/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/83

New Delhi, the 15th April, 1983.

S.O. 302(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Jigs, fixtures, Dies and Patterns, moulds (including moulds for diecasting), and press tools (other than those appearing in Appendices 1, 3 and 4 of the Import & Export Policy, 1983-84 (Vol. I) and parts thereof, subject to the following conditions:—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture. If they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating:—
 - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
 - (b) Year of manufacture;
 - (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
 - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.

- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence/Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration issued to the Actual User as an industrial unit and the end-product(s) manufactured, and affirming that such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities;
- (4) The importer shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 30th September, 1983 and 31st March, 1984. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period concerned.
- (5) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984 or on or before 31st March, 1985 against firm orders for which irrevocable Letters of Credits are opened on or before the 29th February, 1984, without any grace period, whatsoever;
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;
- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 8/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 8/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० आ० 303(अ) :-—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से तेल तथा प्राकृतिक गैस आयात (आ० एत० जी० सी०), आयल इंडिया लि०, सर्वश्री भारत स्वर्ण खान लि० द्वारा कच्चे माल की सभी मदों, मशटकों, उपभोग्य, मशीनरी, उपकरण और यंत्र, उप-साधकों, औजारों और फालतू पुर्जों (किन्तु उपभोग्य माल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो) का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आयात के लिए स्वीकृत मदें वे ही मदें होंगी जिनकी देशी दृष्टि से महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान कर दी गई हो। जहाँ किसी भी हार्डवेयरिक मद में 5 लाख रु० के लागत-सीमा-मापन मूल्य के या इससे अधिक मूल्य के प्रतिष्ठित उपकरण और

सामुदायिक इलेक्ट्रानिकल उपकरण और मूल्य को ध्यान में रखे बिना इनके पुर्जे शामिल हों तो आयात की स्वीकृति इलेक्ट्रानिक विभाग द्वारा निकासी की स्वीकृति प्रदान करने के बाद ही दी जाएगी। इस संबंध में साक्ष्य सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को भेजे जाएंगे। नीचे दिए गए पैरा (3) और (4) के लिए देशी निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।

- (2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे, लेकिन नीचे के पैरा (3) और (4) में आने वाले को छोड़कर;
- (3) जहां सर्विस संधिदाएं उस विदेशी ठेकेदार को दी गयी हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है बशर्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाना हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग यह बचन दे कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे। यदि आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या कैमरा, जैसी किसी मद के साथ जोड़ी गई हैं जो कि उसके पुर्जे बनाती हों तो ऐसी कंप्यूटर इयूरेबल्स का आयात, ऑपन जी०सी० मुख्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए गए बचन के अधीन होगा।
- (4) जहां सर्वोच्च मजगांव डाक्स लि० अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपक्रम को आफ-शोर संधिदा दी जाती है और विदेशी इंजीनियरों/विशेषज्ञों की सेवाएं कार्यों को पूरा करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनियर/विशेषज्ञ कार्यों के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपस्कर लाते हैं, बशर्ते कि (क) विषयाधीन माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वोच्च मजगांव डाक्स या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह बचन देता है कि आयातित औजार यंत्र और उपस्कर उस कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।
- (5) ऑपन जी०सी० से आफ-शोर संधिदाएं प्राप्त करने वाले निजी क्षेत्र के संस्थानों द्वारा माल आयात किया जाता है और ऐसी संधिदा के निष्पादन के लिए माल उनके द्वारा अपेक्षित है।
- (6) आयात 'वास्तविक उपयोगिता' शर्त के अधीन होगा।
- (7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधेश, 1955 को अनुसूची-5 की शर्त 1 के अधीन होगा।
- (8) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व परेपण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और फालतू पुर्जों के मामले में इनका लवान 29-2-1984 को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संधिदा के मद्दे 31 मार्च, 1985 को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।
- (10) इस प्रकार का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[निर्गमित सं० आई०जी०सी०/3/2/83 से जारी]

ORDER No. 8/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 303(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, all items of raw materials components, consumpables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods howsoever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd., subject to the following conditions:—

- (1) The items permitted for import shall be those cleared by the DGT, New Delhi from indigenous angle. Where import of any electronics items including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value, is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the customs authorities. Indigenous clearance will not be required under (3) and (4) below.
- (2) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (3) and (4) below.
- (3) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil & Natural Gas Commission/M/s. Oil India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC undertakings their re-export along with the main equipment.
- (4) Where a off-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of foreign Engineers/Specialists are engaged for completion of the work, and such engineer/specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools, instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (5) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore contracts from ONGC, and are required by them for execution of such contract.
- (6) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (9) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March, 1985 against firm contracts entered into

and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before 29th February, 1984, without any grace period whatsoever.

- (10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 9/83

कुल सामान्य लाइसेंस सं० 9/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 304(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन, एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइन्स और अन्य उन एयर लाइनों को जो आईएटीए के सदस्य हैं, और इसके अन्तर्गत विनिर्दिष्ट श्रेणियों को फालतू पुर्जों, उपभोग्य सामग्री 1983-84 (वा०-1) की आयात-निर्यात नीति के परिशिष्ट-9 के अन्तर्गत आने वाली ग्रीज और स्टेल्स का छोड़कर एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूब, पुस्तिकाओं, तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संचालित और रखित एयर क्रफ्ट के प्लैट के संबंध निबंधन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :—

- (1) कोई भी उपभोग्य सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार उल्लेख क्यों न किया गया हो इस कुल सामान्य लाइसेंस की व्यवस्थाओं के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी ;
- (2) आयातित मदे 'वास्तविक उपयोगिता' शर्त के अधीन होंगी ;
- (3) निकासी के समय आयातक एयरलाइन और आईएटीए के अन्तर्गत वर्तमान सदस्यता के व्यौरों को दर्शाते हुए सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा ;
- (4) एयर क्रफ्ट संचालन कम्पनियां अपने एयर क्रफ्टों के रख-रखाव के लिए सीमा-शुल्क को साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कि आयातक पंजीकृत है या दुकान और संस्थानों के लिए लागू स्थानीय नियम के अधीन कम से कम तीन वर्षों से प्रमाण-पत्र प्राप्त किए हुए हैं, आयात और निर्यात नीति, 1983-84 (वा० 1) के परिशिष्ट 3, 4, 15, या 30 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकता है ;
- (5) कार्यकारी एयरक्राफ्ट के स्वामी, चाहे निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में हों, अपने एयरक्राफ्ट के रख-रखाव के लिए आयात और निर्यात नीति, 1983-84 (वा० 1) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकते हैं ;
- (6) आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका से और/या वहां उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए ;
- (7) भारत को माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिये जाते हैं ;
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा ;
- (9) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा ।

[मिनिम सं० अर्द्ध पी सी 3/8/83]

ORDER NO. 9/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 304(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables (excluding greases and lubricants covered by Appendix 9 to the Import & Export Policy, 1983-84, (Volume I), aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawing illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associate test and training equipment, subject to the following conditions:—

- (i) No consumer goods howsoever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence;
- (ii) The imported items shall be subject to the "Actual User" condition;
- (iii) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA;
- (iv) Companies operating aircraft can import spares only, other than those appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30 of Import & Export Policy, 1983-84 (Volume I), for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that the importer has been registered or holds a certificate for at least three years under the local law applicable to shops and establishments;
- (v) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares only, other than those appearing in Appendices 3, 4, 15 or 30 of Import & Export Policy, 1983-84 (Volume I) for maintenance of their executive aircrafts;
- (vi) The goods imported should not be from and/or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (vii) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984 without any grace period, whatsoever;
- (viii) This Licence shall also be subject to the condition No. 1 of Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (ix) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 10/83

कुल सामान्य लाइसेंस सं० 10/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 305(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट व्यौरों की मदों का, प्रत्येक मद के सामने संकेतित पात्र वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर, किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतित मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जाएगा ;

- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं० 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिकित्सा औजार आदि, वैज्ञानिक औजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, पात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा-शुल्क प्राधिकारी को निकासी के समय घोषणा-पत्र देगा;
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक को सीमा-शुल्क प्राधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अधीन करों के उद्यतन भुगतान/छूट के साथ सहित, सम्बद्ध वाहन या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा;
- (4) ये माल 31 मार्च, 1984 को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिये भेजे गए हों;
- (5) आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन होगा,
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा ;
- (7) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा ।

[मिसिल सं० आईपीसी/3/2/83 से जारी]

खुला सामान्य लाइसेंस दिनांक, 5 अप्रैल, 1983 के लिए अनुसूची

सं०	मव	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
1	2	3
1.	भेषज और औषध	<p>(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 25 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।</p> <p>(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उसके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य एक हजार रुपए से अधिक नहीं होगा; और</p> <p>(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 5 हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।</p>
2(क)	चिकित्सा जिसमें शल्य-चिकित्सा, आस्टिकल और दन्त चिकित्सा संबंधी औजार, उपकरण और यंत्र और बदलाई के पुर्जों और उनके अनुसंगी एवं दन्त चिकित्सा सामान भी शामिल हैं ।	<p>(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रुपए से अधिक नहीं होगा ।</p> <p>(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि</p>

1	2	3
(ख)	आयात-निर्यात नीति 1983-84 (जिल्द-I) के परिशिष्ट 10 की सूची में बर्दाई गयी शल्यचिकित्सा के लिए सीबन और सूइयां	ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।
3.	एक्स-रे इंटेंसिफाइंग स्क्रीन	अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य पचास हजार रुपए से अधिक नहीं होगा ।
4.	वैज्ञानिक और मापन औजार एवं रसायन	विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दस हजार रुपए से अधिक नहीं होता ।
5.	परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन	राज्य औषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं उपयोग के लिए एक वर्ष में 50,000/- रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औषध तथा शृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं ।
6.	मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों	वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर है, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपए लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक ।
7.	अव्यवसायी रेडियो संचार उपस्कर जिसमें किट्स उपसाधित (अस्टीना, रोटरी मोटर, फीड लाइन, स्टैंडिंग वेव रेडियो ब्रिज सहित) यंत्र, फालतू पुर्जों और संघटक शामिल हैं । उपस्कर निम्नलिखित फ्रीक्वेंसी रेंज और पावर सीमाओं को भीतर सम-रूप हों ।	लाइसेंसधारी रेडियो अव्यवसाहियों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे माल का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य 10 हजार रुपए से अधिक न हो । भारत सरकार, संचार मंत्रालय, वायरलेस योजना एवं समन्वय स्कम्भ की पूर्ण अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा ।

1. हार्ड फ्रीक्वेंसी (एच एफ)

मीटर बैंड	फ्रीक्वेंसी रेंज	उत्पादन पावर लिमिट
1	2	3
160 एम	1.8 से 2.0 एम एच जेड तक	150 वाट्स
80 एम	3.5 से 4.0 एम एच जेड तक	150 "
40 एम	7.0 से 7.5 एम एच जेड तक	150 "

1	2	3
20 एम	14.0 से 14.50 एम एच जेड तक	150 वाट्स
15 एम	21.0 से 21.50 एम एच जेड तक	150 „
10 एम	28.0 से 30.00 एम एच जेड तक	150 „

वेरि हार्ड फ्रीक्वेंसी (श्रीएनएफ) :

2 एम 144 से 148 एम एच जेड तक 25 वाट्स

3. अल्ट्रा हार्ड फ्रीक्वेंसी (यू०एन०एफ)

70 एम 430 से 440 एम एच जेड तक 25 वाट्स

न्यूनतम :— हार्ड फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिशन में भी रेडिएशन उद्देश्य के लिए 10 एम एच जेड या 15 एम एच जेड स्टैंडर्ड फ्रीक्वेंसी रिसीपशन सुविधा शामिल है।

ORDER No. 10/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 305. (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions:—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified;
- (2) In the case of medical instruments, etc. scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial Nos. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer shall, at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the c.i.f. value of such goods already imported under this provision in the same financial year ;
- (3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939;
- (4) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, 1984, without any grace period, what-so-ever;
- (5) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (6) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported.

[File No. IPC/3/2/83]

SCHEDULE TO OGL NO. 10/83 DATED THE 15TH
APRIL, 1983

S. Item No.	Eligible importers, value limit and purpose of import
1. Drugs and medicines	(i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees; (ii) Any individual, for his personal use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and (iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
2. (a) Medical including surgical, optical and dental instruments, apparatus and appliance and replacement parts and accessories thereof and dental materials. (b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in list 5 in Appendix 10 of import & Export Policy, 1983-84 (Vol. I).	(i) Hospitals and medical institutions, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed two lakhs rupees, in a financial year. (ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed five thousand rupees, in a financial year.
3. X-Ray intensifying screens.	Hospitals and radiological clinics, for their own use, provided the c.i.f. value of such goods imported at any one time shall not exceed fifty thousand rupees.
4. Scientific and measuring instruments and chemicals.	Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purposes (to which effect evidence shall be produced to the customs authorities) provided the c.i.f. value of such goods imported shall not exceed rupees ten thousand, in a financial year.
5. Testing equipment, testing instruments and chemicals.	Testing laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000 (c.i.f.) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6. Spare parts of motor vehicles and agricultural tractors.	Persons owning imported vehicles/ agricultural tractors, for their own use, upto a c.i.f. value of rupees five thousand in a financial year.

Sl.No.	Items	Eligible importers, value limit and purpose of import
7.	Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antenna rotary motors, feed lines, standing wave radio bridge) instruments, spares and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations;	By licensed radioamateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the c.i.f. value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 10,000. Goods imported shall not be transferred to any individual or party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communication, Government of India.

I. High frequency (H.F.)		
Meter Band	Frequency range	Output power limit
160 m	1.8 to 2.0 Mhz	150 watts
80 m	3.5 to 4.0 Mhz	150 watts
40 m	7.0 to 7.5 Mhz	150 watts
20 m	14.0 to 14.50 Mhz	150 watts
15 m	21.0 to 21.50 Mhz	150 watts
10 m	28.0 to 30.00 Mhz	150 watts
II. Very High Frequency (VHF)		
2 m	144 to 146 Mhz	25 watts
III. Ultra High Frequency (UHF)		
70 cms	430 to 440 Mhz	25 watts.

NOTE:— In H.F. transceivers also incorporate either to Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.

आदेश सं 11/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 11/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 306(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार अगला आदेश होने तक जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए वास्तविक उपयोक्तारों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (i) पूंजीगत माल, (ii) कच्चे माल, (iii) संघटकों, (iv) उपभोग्यों एवं (v) किसी भी देश से फानतू पुर्जों के आयात की सामान्य अनुमति देती है, परन्तु दक्षिणी अफ्रीका तथा दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका इसमें शामिल नहीं है :—

- आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई के पास जहाजों की मरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।
- माल का आयात सीमाशुल्क बन्ध परिसर में किया जाएगा।
- आयातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए सीमाशुल्क बन्ध परिसर में किया जाएगा चाहे वे जहाज भारतीय हों या विदेशी।
- सीमाशुल्क बन्ध के लिए लागू प्रक्रिया का अनुसरण ट्रांजिट बोंड को शामिल करने हुए किया जाएगा।
- प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत से कमाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा

बैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित करारकर संबंधित लाइसेंस प्राप्ति कारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी बम्बई को प्रस्तुत करेगा।

(vi) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको गारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।

(vii) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।

[मिसिल संख्या आईपीसी/3/2/83 में जारी]

ORDER NO. 11/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 306(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission, till further orders to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

- The importer is registered with the Director General Shipping, Bombay as a ship repairing unit.
- The goods shall be imported in custom bonded premises.
- The imported goods shall be used in repairs of ocean-going-vessels, whether Indian or foreign, in the custom bonded premises.
- The procedure applicable for customs bonding shall be followed including transit bond.
- At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value imported and use in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the bank, to the licensing authority concerned, and the Director General Shipping, Bombay. This return shall be sent through the Customs officer attached to the unit concerned.
- The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General Shipping.
- Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 12/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 12/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 307(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना से किसी भी माल के भारत में आयात की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है;

- (2) आयातित माल भारतीय सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार है और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में 31 मार्च, 1984 को अथवा उससे पूर्व, बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, लदान किया जाता है।
- (4) ऐसे माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हो, और
- (5) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम होगा जो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2 इस लाइसेंस के अन्तर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी का इस संबंध में एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल (जिनका थोड़ा प्रमाण-पत्र में दिया जाना है) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस शर्त पर ही होगा कि जो भी संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से आने लगे तो (उपरोक्त माल से निम्न) अन्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

[मि०स० आई पीसी/3/2/83 से जारी]

ORDER NO 12/83

OPEN GENERAL LICENCE NO 12/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 307(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Governments, subject to the following conditions:—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned,
- (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance,
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984, without any grace period whatsoever,
- (iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa; and
- (v) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported,

86 GI/83—4

2. Under this Licence, import will also be allowed of personal effects of foreign export coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry of the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leave India after completion of his assignment.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश संख्या 13/83

पुनः सामान्य लाइसेंस संख्या-13/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०आ० 308(अ) —आयात एवं निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न तथा आभूषण और स्वर्णकार एवं शिल्पकारों की सहकारी समितियों के पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात नीति 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 की सूची-1 में शामिल किए गए रत्न और आभूषण के उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण, परीक्षण उपकरण, औजारों एवं यंत्रों का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान, करती है —

- (1) आयात 'वास्तविक उपयोगिता' शर्तों के अधीन होगा,
- (2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या मरम्मत की गई मशीनों के रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब ही जाएगी जब मशीनरी 10 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के एक सनदी इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस संबंध में एक प्रमाण-पत्र सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता है।
- (3) रत्न एवं आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारियों को अपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के पास निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह प्रमाण देते हुए यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है न वापस किया गया है न अन्यथा रूप से अप्रभावी किया गया है, स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहकारी समिति इसी प्रकार से सहकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगी।
- (4) रत्न व आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद भी स्वयं स्थापित किए गए संस्थाओं के उपयोग के लिए प्रस्तुत लाइसेंस में शामिल उपकरणों का इसके अधीन आयात कर सकती है।
- (5) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित न हो।
- (6) ऐसा माल 31 मार्च, 1984 को अथवा उससे पहले किसी भी रियायत के बिना भारत को प्रेषण के माध्यम से लाद किया गया हो,
- (7) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त (1) के अधीन होगा।

- (8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मि०स० आईपीएल/3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 13/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O 308 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery equipments, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 10 of the Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I), by Registered Exporters of gem and jewellery and Cooperative Societies of goldsmiths and artisans, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

- (1) The imports shall be subject to "Actual User" conditions;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than ten years old and its remaining life is not less than five years, and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs authority at the time of clearance.
- (3) Registered Exporter of Gem and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registrations as an exporter with the Gem & Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made in-operative. A Cooperative Society of goldsmiths and artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Cooperative Society;
- (4) The Export Promotion Council for Gem and Jewellery can also import under this Licence, the equipments covered by it, for use of the Institutes set up by the Council;
- (5) The goods so imported have not been produced or in manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, 1984, without any grace period, what-so-ever;
- (7) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (8) Nothing in this Licence shall affect to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश संख्या 14/83

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या 14/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०स० 309(अ) .—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन (क) सरकारी औद्योगिक संस्थान (विभागों द्वारा परिचालित) (ख)

रेलवे (ग) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना संस्थान और (घ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किन्तु इसमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं हैं) और रेलवे के मामले में पूंजीगत माल, संघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों को खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते कि—

- (i) आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-3, 4, 6, 15 और 30 के अधीन आने वाली मर्चों के आयात के लिए महानिदेशक, तकनीकी विकास नई दिल्ली से देशी निकासी प्राप्त कर ली गई हो।

- (ii) जहाँ 5 लाख रुपये या इससे अधिक के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की इलैक्ट्रॉनिक मर्चों जिनमें प्रतिकृति उपकरण भी शामिल हों और मूल्य को ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलैक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके पुर्जों का आयात शामिल हो, वहाँ इलैक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली गई हो।

- (iii) आयातित पूंजीगत माल की मर्चें वे हैं जो आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-2 के अंतर्गत आती हैं और आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-I) के परिशिष्ट 1, 3, और 4 में शामिल किए गए से भिन्न जिस, जुड़नार, डाइज और पेटर्स मोल्ड्स (डाय-कास्टिंग के लिए मोल्ड्स सहित), मोल्ड्स और प्रैस औजार और उनके पुर्जों।

- (iv) प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे आयात किया जाता है, और

- (v) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को उपर्युक्त (1), (2) और (4) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं।

(2) राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना/सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और महानिदेशक, दूरदर्शन तथा आकाशवाणी, नई दिल्ली के मामले में फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमोदित होगा बशर्ते कि :—

- (1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मुद्दे किया गया हो ;

- (2) गैर-अनुमय फालतू पुर्जों अर्थात् जो 1983-84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-I) के परिशिष्ट 3, 4, 15 या 30 में आते हैं उनके लिए देशी निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो,

- (3) जहाँ 5 लाख के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य या इससे अधिक मूल्य की इलैक्ट्रॉनिक मर्चों का आयात शामिल हो, वहाँ निकासी इलैक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो, और

- (4) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को उपर्युक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए गए हों।

- (3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :—

- (i) कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन दी जाएगी देखिए आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-I) के परिशिष्ट-10 की

मव सं० 1, 2 और 4 किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।

(ii) अनुसंधान एवं विकास एकक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए पात्र होने, देखिए आयात-निर्यात नीति 1983-84 (जिल्ह-1) के परिशिष्ट-10 की मव संख्या 5, किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।

(iii) पूंजीगत माल का आयात तभी अनुमोद होगा यदि वे आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्ह-1) के परिशिष्ट-2 में दर्शाई गई हो और जिस और जुड़नार के आयात की अनुमति उक्त नीति के परिशिष्ट-10 की मव सं० 6 के अनुसार दी जाएगी।

(iv) कम्प्यूटर के फालतू पुर्जों का आयात 1983-84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्ह-1) के परिशिष्ट-10 की मव सं० 8 के अनुसार अनुमोद होगी।

(v) वे मवे जिनका आयात 1983-84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्ह-1) के परिशिष्ट-10 के अनुसार छुट्टी सामान्य लाइसेंस के अधीन 'वास्तविक उपयोगिताओं' और/या सभी व्यक्तियों द्वारा वहाँ किया जा सकता है जहाँ ऐसे माल का आयात करने वाले औद्योगिक एकक द्वारा कच्चे माल संघटकों या उपभोक्ता सामग्री के रूप में अपेक्षित हो।

(vi) वर्ष 1983-84 के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबंध एकक को आश्रित विदेशी मुद्रा से अधिक का कुल आयात नहीं होगा और सीमा शुल्क से निकासी के समय आयातक एकक इस संबंध में एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा कि 1983-84 में संबंधित आयातक एकक को रक्षा मंत्रालय इस उद्देश्य के लिए कुल बी गई विदेशी मुद्रा की धमराशि से निकासी के अधीन है/जिसकी निकासी पहले ही कर ली गई है, उसका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है।

(4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका सब/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में निर्मित या उत्पादित नहीं हुआ है।

(5) ऐसा माल भारत का परेपण के माध्यम से 31-3-1984 को या इससे पहले जहाज पर लाद दिया जाता है या कच्चे माल, संघटकों और उपभोक्ता सामग्री के मामले में 29-2-1984 को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय खाद्य-पत्र के लिए दिए गए पत्रके आदेशों के मुद्दे 30-6-1984 को या इससे पहले माल का लदान कर दिया जाता है या पूंजीगत माल, फालतू पुर्जों के मामले में माल, की गई पक्की संविदाओं और विदेशी मुद्रा में खन-खन करने वाले व्यापारी (बैंक) के साथ किए गए पूंजीकरण के मुद्दे 31-3-1983 को या इससे पहले बिना किसी अवधि वृद्धि के बिना बाह्य और जो कुछ भी हो, 29-2-1984 को या उससे पहले जहाज पर लाद दिए जाते हैं।

(6) किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निर्बंध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उनका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(7) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों को शर्तों के अधीन आता हो, उस के धारित से या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता हो आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

[मि० सं० ग्राह० पी० सी० 3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 14/83

OPEN GENERAL LICENCE NO 14/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S O 309 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947)

the Central Government gives general permission to (a) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (b) Railways, (c) State Electricity Boards/Undertakings/Project, in the public sector, and (d) Public Sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares, from any country except the Union of South Africa/South-West Africa, subject to the following conditions

(1) In the case of Government Industrial Undertakings (Departmentally-run excluding, however, Defence Undertakings), and Railways import of Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL provided

(i) For import of items covered by Appendices 3, 4, 6, 15 and 30 of the Import and Export Policy, 1983-84 (Vol I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi

(ii) Where import of any electronic items including facsimile equipment for a c i f value of Rs 5 lakhs or more and marine electronic equipment and parts, irrespective of value, is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi

(iii) Items of Capital Goods imported are those covered by Appendix 2 of Import and Export Policy, 1983-84 (Vol I) and jigs, fixtures, dies and patterns, moulds (including moulds for diecasting), and press tool, other than those in Appendices, 1, 3 and 4 of Imports and Export Policy, 1983-84 (Vol I) and parts thereof

(iv) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Deptt of Economic Affairs) and

(v) Necessary evidence of (i), (ii) and (iv) above is produced to the customs authority at the time of clearance

(2) In the case of State Electricity Boards/Projects/ Undertakings, in the Public sector, and the Director Generals "Doordarshan" and All India Radio, New Delhi, import of spares only will be allowed under OGL, provided —

(i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose,

(ii) In respect of non-permissible spares i.e. those covered by Appendices, 3, 4, 15 or 30 of the Import and Export Policy, 1983-84 (Vol I), indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi

(iii) Where import of any electronic items for a c i f value of Rs 5 lakhs or more is involved clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi, and

(iv) Necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the customs authority at the time of clearance

(3) In the case of Public Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions will apply —

(i) Import of raw materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide item Nos 1, 2 and 4 of Appendix 10 of the Import and Export Policy 1983-84 (Vol I), subject to the conditions laid down, therein,

(ii) R&D units will be eligible to import raw materials and other items vide item No 5 in App 10 of the Import and Export Policy, 1983-84 (Vol I), subject to the conditions laid down therein,

(iii) Import of Capital Goods will be allowed only if they appear in Appendix 2 of Import and Export Policy,

1983-84 (Vol. I) and import of jigs and fixturs etc. will be allowed vide item No. 6 in App. 10 of the said Policy.

(iv) Import of computer spares will be allowed vide item No. 8 in App. 10 of Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I).

(v) Import of items which can be imported by "Actual Users" and/or "All persons" under OGL, vide App. 10 of Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I), where such goods are required as raw materials, components or consumables by the importing industrial units.

(vi) The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the year 1983-84, and, at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned in 1983-84.

(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

(5) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1984, or in the case of raw-materials components and consumables, the goods are shipped on or before 30-6-1984 against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 29-2-1984, or, in the case of Capital Goods, spares, these are shipped on or before 31-3-1985, against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before 29-2-1984, without any grace period, whatsoever.

(6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(7) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 15/33

जुला सामान्य लाइसेंस सं० 15/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

क्रा० आ० 310(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवम् द्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण के माल का वक्षिण अफ्रीका संघ/वक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

(1) क्रम सं० 1 में शामिल 'अध्यापन सहाय' के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मर्चे किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टॉक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती हैं ;

(2) 'अध्यापन सहाय' के मामले में आयात की अनुमति केवल माध्यमता प्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों, इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार

के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, अस्पतालों, परामर्शदाताओं, मान्यता प्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी,

(3) वारों के मामले में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नैफेड) के पास स्वयं को पंजीकृत कराना होगा। आयात तभी किए जाएंगे जब कि ऐसे पंजीकरण के साध्य के रूप में संबंधित संविदा पर नैफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए अनुबंध की दो प्रतियां नैफेड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत् मुहर लगा कर आयातक को लौटा देंगे, जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

(4) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

(क) शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली से पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति लिए बिना एक लाखसे अधिक के दौरान एक ही शीर्षक की 1,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, वह प्रतिवर्ष अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत-रस पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के अंतर्गत की पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा,

(ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध हैं,

(ग) भारतीय समूह-टैट के केवल ऐसे नौ-परिवहन संबंधों पाठों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी संख्या हाइड्रो-ग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो ;

(घ) अज्ञात सामग्री वाली या यौन विलक्षण करने वाली या हिंसा भड़काने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार पत्रिकाओं के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ङ) विदेश में प्रकाशित पुस्तकों के अ-प्राधिकृत पुनः प्रकाशनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीमाशुल्क के माध्यम से, निकासी के समय, आयातक यह वशति हुए एक घोषणा-पत्र प्रस्तुत करेगा कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं, जो आयात-निर्यात नीति 1983-84 में अनुमेय नहीं हैं।

(5) औषध मर्चों के मामले में, जहाँ कहीं आवश्यक हो, औषध एवं श्रंगार प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।

(6) खजूरों, होम्योपैथिक औषधियों, कैंसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अप्रशुद्ध भेषजों के मामले में, पराम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेय होगा।

(7) अनुसूची की मद संख्या 10 और 11 पर उल्लिखित मसालों और खजूरों के मामले में आयात मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात (अनुश्रवण एवं सहायता सेल) उद्योग भवन, नई दिल्ली को निम्नलिखित प्रपत्र में एक वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :—

1. आयातक का नाम और पता
2. आयात की गई पथ्य वस्तु का विवरण
3. सीमाशुल्क से निकासी की तिथि

4. आयातित मात्रा
5. आयात किए गए माल परीक्षण का कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
6. यूनिट कीमत (रुपयों में)

प्रत्येक तिमाही की रिपोर्ट संबंधित तिमाही के अगले महीने की 15 तारीख तक मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात को पट्टा खाती चाहिए।

- (8) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका, दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (9) ऊर्जा बचत/संरक्षण उपस्करों के मामले में निदेशक, (प्रशासनिक), ऊर्जा के अतिरिक्त श्रोत के लिये आयुक्त, विज्ञान और टेक्नालाजी विभाग, टेक्नालाजी भवन, न्यू महारौली रोड, नई दिल्ली-110018 को सीमाशुल्क से माल की निकासी के 15 दिनों के भीतर आयातित उपस्कर से संबंधित निम्नलिखित सूचना भेजेगा :—
 - (i) आयातित उपस्कर का विवरण
 - (ii) उसका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
 - (iii) आयातित उपस्कर पर चुकाई गई सीमाशुल्क कर की धनराशि
 - (iv) वह देश जिससे आयात किया गया।
- (10) ऐसा माल भारत को परीक्षण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1984 को या इससे पहले पीत पर लादा गया हो।
- (11) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1958 की अनुसूची-5 में शर्त सं०-2 के भी अधीन होगा।
- (12) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।

[मिसिल सं० आई०पी०सी०/3/2/83 से जारी]

छुआ सामान्य लाइसेंस सं० 15/83 के लिए अनुसूची

दिनांक 15 अप्रैल, 1983

1. निम्नलिखित अध्यापन सहायः
 - (1) भौतिक प्रकृति की माइक्रो-फिल्म और माइक्रो-फिल्म
 - (2) भौतिक प्रकृति के प्री-रिकॉर्डिड वीडियो और ऑडियो कैसेट्स, फिल्मसिस्टम्स सहित या रहित।
2. ब्रेल टाइपराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण
3. भौतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकें और पत्रिकाएं, समाचार पत्रिकाएं और समाचार-पत्र
4. आयात और निर्यात नीति 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 की सूची-2 में आने वाले जीवन दायक उपस्कर और उनके फालतू पुर्जे
5. परिवार कल्याण उत्तर/पत्र उपकरण अधीन निम्नलिखित :—
 - (1) (क) लेप-रेसकोप
 - (ख) कल-स्कोप;
 - (ग) हाइस्को-स्कोप,
 - (घ) वैक्यूम संश्लेषण एपरेट्स
 - (ङ) उनके उप-साधित और फालतू पुर्जे भी, और
 - (2) रबड़ कैंट्रा सेपटिव यंत्र (केवल डाय-फ्राम्स),

- (3) इन्टरोटेरि कंट्रासेपटिव यंत्र लिपोंस ग्रुप और सी०यू०टी० 200 से भिन्न)*
- (4) फूलोपिक रिस्स (सिलास्टिक बैंड्स)।

6 आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-10 की सूची-3 में आने वाले परिष्कृत भेजक प्री-परीक्षण, जीवन दायक और कैंसर-रोधी भेजक।

7. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और/या किसी भी पोटेन्सी के होम्योपैथिक भेजक (सिंगल) 'दुग्ध चीनी' सहित शोक में और बायो-केमिक औषधियां।

- (8) आयात-निर्यात नीति 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 10 की सूची-4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेजक (जेड, मोतियों और मोंगो के आयात की अनुमति केवल चूर्ण रूप में और केवल गैर-आभूषण किस्म के लिए की जाएगी)

*रंगीन कडोन्स, डायफराम, जेसी और क्रोम टिकिया, भारत के औषध निर्यातक नई दिल्ली द्वारा यथा अनुमोदित

9. दाल

10. निम्नलिखित मसाले :—

- (1) दाल-चीनी/तिजपात
- (2) आयफन/जाबित्री
- (3) लींग

11. खजूर (मीने या सूखे) (भारतीय पौध आधानों द्वारा आयातित)

12. सेधा नमक

13. (1) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चिकित्सा)

- (1) लाइव एन्गियोग्राफिक फिल्मों
- (2) कार्डिग फिल्मों (एक्स-रे रेडियोग्राफ कार्डिग के लिए)
- (3) दन्त्य एक्स-रे फिल्म
- (4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्मों
- (5) लोडोजू मेगो-ग्राफिक फिल्म
- (6) माम मिनेएचर फिल्मों
- (7) डुप्पिकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि० मि० मेगेडिग और रिजर्सल किस्म की फिल्मों
- (8) परसोनल अनुसंधान फिल्मों
- (9) चेन्जर्स के उपयोग के लिए विशेष फिल्म की एक्स-रे फिल्मों

(10) केट स्केनर्स के लिए एक्स-रे फिल्म

- (2) एरो-ग्राफिक फिल्मों
- (3) फोटो-ग्राफ सैंडिंग आर सी/स्टेबिलाइजेशन पेपर
- (4) मुद्रण उद्योग के लिए धर्मा-ग्राफिक पोलिमिड रोजिंग और एम्बोसिंग पाउडर
- (5) माइक्रो-फाइल फिल्मों
- (6) हफा-रेड और अफ्टा-बायलैट फिल्में
- (7) गुर्दे शल्य चिकित्सा फिल्में
- 14 हाथ-बड़ी/बीवार बड़ी और टाइम-मीस के लिए स्नेहक तेल
15. फिशिंग हुका

16. शैक्षणिक और उपवेश संबंधी छोटी फिल्में, यदि वे फिल्मों सेतर
नों द्वारा 'प्रधानतः कयात्मक शैक्षिक', गत्यापित की गई हों

17. फोटो-ग्राफिक फिल्में (रंगीन)

18. फोटो-ग्राफिक कलर पेपर

19. 120 साइज रोलस से भिन्न फोटोग्राफिक फिल्में (मादा)

20. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड

21. रूपाश्रमनके

22. निम्नलिखित सिनेमाटोग्राफिक फिल्मों, अन-निर्देशित :—

(1) 8 एम० एम० (रंगीन) और

(2) 8 एम० एम० (मादी नेगेटिव)

23. 1983-84 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1) के
परिशिष्ट-10 में सूची सं० 6 के अनुसार बतल्य सामग्री।

24. निम्नलिखित ऊर्जा ध्वन/संरक्षण उपस्कर :—

(i) वायु चालक जमरेटर

(ii) सौर ऊर्जा उपस्कर

(iii) आटोमैटिक इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग टाइप के लिए पैराबोलिक
कोकस्टिंग सिस्टम जिसमें फोटो इलेक्ट्रॉनिक सैन्सर भी शामिल हैं।

(iv) पोटेंशल एक्सास्ट गैस और कम्प्रेस्टर एनालाइजर।

(v) स्टीम ट्रेप लीक डिटेक्टर

(vi) अल्ट्रासोनिक स्टीम लीक डिटेक्टर

(vii) सोलर हीट कंट्रोल फिल्म

25. आयात से निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-
3, 4, 5, 15 और 30 में वर्णित गए से भिन्न निम्नलिखित के फालतू
पुर्तः—

(1) मुद्रण मशीनरी

(2) मशीनी औजार, धातु, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने,
रूप देने, घिसने और पानिश करने के लिए, किसी भी मानक
या अनुषंगी उपस्कर सहित, और

(3) सिनेमाटोग्राफिक उपस्कर।

(4) ड्रास

ORDER NO. 15/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 310(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this Order, subject to the following conditions :—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by any person, for stock and sale purpose;
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific, technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in Research and Development Work, registered medical institutions hospitals, consultants, recognised

chambers of Commerce, productivity councils, management Associations and professional bodies, for their own use;

- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods.
- (4) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply :—
 - (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1,000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English language Books, Society titles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme;
 - (b) Import of foreign edition of books for which editions of Indian reprints are available will not be allowed;
 - (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun;
 - (d) Books, magazines and journals, containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.
 - (e) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed. At the time of clearance through customs, the importer shall furnish declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed as Import-Export Policy, 1983-84.
- (5) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drug and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with;
- (6) In the case of dates, homeopathic medicines, anticancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing;
- (7) In the case of spices, and dates referred to at item Nos. 10 and 11 of the Schedule the importer shall furnish to the Chief Controller of Imports & Exports (Monitoring & Assistance Cell), Udyog Bhavan, New Delhi, quarterly reports of imports in the following proforma :—
 1. Name & Address of the importer,
 2. Description of the commodity imported.
 3. Date of clearance through customs.
 4. Quantity imported.
 5. Total c.i.f. value of the consignments imported.
 6. Unit price (in rupees).

The report in respect of each quarter should reach the Chief Controller of Imports & Exports by the 15th day of the month following the concerned quarter.

- (8) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (9) In the case of energy saving/conservation equipment the importer shall furnish to the Director (Administration), Commission for Additional Sources of Energy, Department of Science and Technology, Technology Bhavan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from the customs :—
 - (i) Description of the equipment imported;

- (ii) Its c.i.f. value;
- (iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment;
- (iv) Country from which imported.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, 1984, without any grace period, what-so-ever;
- (11) This Licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955;
- (12) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

[File No. IPC/3/2/83]

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/83

Dated the 15th April, 1983

1. Teaching Aids, the following :
 - (i) Microfilms and Microfiches of educational nature;
 - (ii) Pre-recorded video and audio cassettes of educational nature, with or without film strips.
2. Instruments and equipment required by blind, including Braille typewriters.
3. Educational, scientific and technical books and journals news-magazines and newspapers.
4. Life Saving Equipment appearing in list No. 2 of Appendix 10 of Import and Export Policy, 1983-84 (Vol. I) and their spares.
5. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely the following :
 - (i) (a) Laproscope;
 - (b) Culds-cope;
 - (c) Hysteroscope;
 - (d) Vacuum Suction apparatus;
 - (e) as well as their accessories and spares; and
 - (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only)
 - (iii) Intrauterine Contraceptive Devices (other than the Lippes' Loop and Cu-T 200), coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi.
 - (iv) Falopic rings (Silastic bands).
6. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 10 of the Import and Export Policy for 1983-84 (Vol. I).
7. Homoeopathic medicines in finished form or Homeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including 'Sugar of Milk' in bulk and biochemic medicines.
8. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 10 of Import & Export Policy for 1983-84 (Vol. I) (Import of jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non jewellery quality only).
9. Pulses.
10. Spices, the following
 - (i) Cinnamon/Cassia,
 - (ii) Nutmeg/Mace,
 - (iii) Clove.
11. Dates (wet or dry) (imported by Indian Sailing Vessels)
12. Rock Salt.
13. (i) X-ray films (medical), the following :
 - (1) Cine angiographic films.
 - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 - (3) Dental X-ray film.
 - (4) Films for use without screens.
 - (5) Lo-dose mammographic films.
 - (6) Mass miniaturio film
 - (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 - (8) Personal monitoring films.
 - (9) Special types of X-ray films used for changers.
 - (10) X-Ray Films for cat scanners.
- (ii) Aerographic films
- (iii) Photo type setting RC/Stabilisation paper.
- (iv) Thermo graphic polymid raising and embossing powder for printing industry.
- (v) Microfile films.
- (vi) Infra-red and ultra-violet films.
- (vii) Kidney Surgery films.
14. Lubricating oils forwatches, clocks, time pieces and house service meters.
15. Fishing hooks.
16. Non-fictional educational and instructional short films, certified by the Board of Film Censors to be "predominantly educational".
17. Photographic films (colour).
18. Photographic colour papers.
19. Photographic films (black & White) other than 120 and 620 size rolls.
20. Records for learning languages.
21. Rudraksha beds.
22. Cinematographic films, not exposed, the following :—
 - (i) 8mm (colour) and
 - (ii) 8mm (black and white negative).
23. Dental items as per List No. 6 in Appendix 10 of Import and Export Policy for 1983-84 (Vol. I).
24. Energy saving/conservation equipment, the following :
 - (i) Wind driven generators.
 - (ii) Solar Energy equipment.
 - (iii) Parabolic focusing systems of the automatic electronic tracking type, including photo-electric sensors.
 - (iv) Portable exhaust gas and combustion analysers.
 - (v) Steam trap leak detector.
 - (vi) Ultrasonic steam leak detector.
 - (vii) Solar heat control films.
25. Spares, except those included in the Appendices 2,4,5, 15 and 30 of Import and Export Policy 1983-84 (Vol. I) of :
 - (1) Printing machinery.
 - (2) Machine tools, for cutting, forming, abrading & polishing metals, wood, glass and plastics including any standard or ancillary equipment, and
 - (3) Cinematographic equipment
 - (4) Trawlers.

आवेश सं० 16/83

पुष्पा सामान्य लाइसेंस सं० 16/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० आ० 311(अ):—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा (क) कृषि मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित पाल्ट्री फार्मों/अण्डज शालाओं को पाल्ट्री बैक्सीन (सभी प्रकार के), (ख) 10.2 लीटर और हमसे कम पानी की क्षमता वाले चिकित्सा गैस सिलिन्डर, (ग) गिबरेल्लिक एसिड (घ) ग्रेप गार्ड पेपर और (ङ) फोटो-ग्राफिक रसायन-डिबेल्पर, जुड़नारों, इन्टेन्सिफायर्स, रिड्यूसर्स टनर्स और क्लियरिंग ऐजेंट्स का औद्योगिक एकक को दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

1. पाल्ट्री बैक्सीन के आयात के मामले में:—

- (1) सीमा शुल्क से माल की निकासी के समय आयातक कृषि विभाग, नई दिल्ली से या सम्बद्ध राज्य के पशुपालन/पशु चिकित्सा सेवाओं के निदेशक से संबंध पार्टी के लिए मामूली (विवरण/मात्रा/मूल्य) की अनिवार्यता के संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा।
- (2) संबंध आयातक, सीमा शुल्क से प्रेषण की निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि मंत्रालय को आयातित मदों, उनकी मात्रा और उनके लागत बीमाभाड़े के व्यौरों के संबंध में सूचना भेजेगा।
- (3) आयातित माल संबंध पाल्ट्री फार्म/अण्डजशालाओं के पास "वास्तविक उपयोगता" की शर्त के अधीन होगा।

2. चिकित्सा गैस सिलिन्डर के मामले में आयात की स्वीकृति उन वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) को दी जाएगी जिनके पास चिकित्सा गैस (आक्सीजन) और नाइट्रस आक्साइड के विनिर्माण के लिए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण है और उनके पास औषध तथा भ्रूण प्रसाधन अधिनियम 1940 के अधीन जारी किया गया वैध लाइसेंस है। यह भी एक शर्त होगी कि आयातित चिकित्सा सिलिन्डर का उपयोग केवल कम्प्रेसिंग और चिकित्सा गैस की आपूर्ति के लिए चिकित्सा प्रयोजन के लिए ही किया जाएगा।

3. (1) गिबरेल्लिक एसिड और ग्रेप गार्ड पेपर के मामले में पाल आयातक केन्द्र या राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र के कृषि विकास निगम सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कृषकों की सहकारिता समितियाँ, कृषकों के संघ होंगे। आयातित माल केवल अंगूर के उत्पादकों के वितरण के लिए होगा और आयातक आयातित माल के वितरण का उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को संबंध लाइसेंस प्राधिकारी और सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।

4. उपर्युक्त (ङ) में उल्लिखित फोटो रसायनों के मामले में (1) शाप इस्टेबलिशमेंट के लिए लागू स्थानीय कानून के अधीन पंजीकृत वास्तविक उपयोगता और (2) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा प्रमाणित फिल्म स्टूडियो फिल्म संसाधन प्रयोगशालाएं परीक्षण प्रयोगशालाएं पाल आयातक होंगी।

5. माल की निकासी के समय आयातक संबंध प्राधिकारी के पास मान्यता/पंजीकरण के व्यौर अर्थात् मान्यता/पंजीकरण प्रमाण पत्र की संख्या एवं दिनांक के व्यौर देते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारी की एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि ऐसी मान्यता/पंजीकरण रख नहीं किया गया है या अस्थायी रूप से अप्रभावी नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में जहाँ संबंध प्राधिकारी द्वारा अलग मान्यता/पंजीकरण संख्या आर्बाइटेड नहीं की गई है

तो आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

6. आयातक इस लाइसेंस के अंतर्गत आयात किए गए के उपयोग और उपयोग की लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके ऐसे रखेगा और लेखों को ऐसे समय के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी की या अन्य सरकारी प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा जो इन प्राधिकारियों द्वारा निविष्ट किया जाए।

7. इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हों।

8. ऐसा माल किसी भी रियायती अवधि, चाहे वह जो कुछ भी हो, के बिना 31 मार्च, 1984 को या इससे पहले परेषण के माध्यम से भारत के लिए लाया गया हो।

9. यह लाइसेंस आयात नियंत्रण आवेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त सं०-1 के भी अधीन होगा।

10. किसी माल के लिए उसके आयात को प्रभावी करने वाला अन्य कोई अन्य निषेध या विनियम होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका इस लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

11. अन्य कानून या विनियमों के अन्तर्गत वास्तविक उपयोगता को जो अनिवार्यता या अनुपालन पूर्ण करते हैं यह लाइसेंस उनसे कोई उम्मुक्ति, छूट या रियायत किसी भी समय प्रदान नहीं करता है। आयातकों को सभी अन्य कानूनों के उपबंधों का पालन करना चाहिए जो उन पर लागू हैं।

[मिसिल सं० आईसीसी 3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 16/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/83

New Delhi, The 15th April, 1983

S.O 311(E):—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi, (b) Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below, (c) Gibberellic Acid, (d) Grape Guard Paper and (e) Photographic chemicals—developers, fixers, intensifiers, reducers toners and cleaning agents, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions:—

(1) In the case of import of poultry vaccines:—

(i) The importer shall at the time of clearance of goods from the customs, furnish a certificate from the Ministry of Agriculture, New Delhi or the concerned State Director of Animal Husbandary/Veterinary Service, regarding the essentiality of the material (description/quantity/value) to the party concerned;

(ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from Customs, intimate to the Ministry of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and CIF value.

(iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

42* In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial licence/registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. It shall also be a condition that the imported medical gas cylinders shall be used only for medical purpose for compressing and supplying medical gas.

- (3) In the case of (i) Gibberellic acid and (ii) Grape Guard paper, the eligible importers will be agriculture development corporations of the Central or State Government/Union Territory, co-operative societies of farmers, and Associations of farmers recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall maintain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.
- (4) In the case of photographic chemicals referred to in (e) above, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to shops and establishments and (ii) Film Studios, film processing laboratories and testing laboratories certified as such by the State Director of Industries.
- (5) At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the Customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authority.
- (6) The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down and produce such account to the Licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (8) Such goods are shipped on thorough consignment to India on or before 31st March, 1984, without any grace period, what soever.
- (9) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Import (Control) Order, 1955.
- (10) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (11) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश संख्या-1/83

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या: 17/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० आ० 312(अ)।---आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार 100% निर्यात अभिमुख यूनिटों के रूप में अनुमोदित वास्तविक उपयोक्ताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल (नया या पुराना हो), (2) उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए आवृत्तियों और नमूने जो प्रत्येक किस्म में दो नवों से अधिक न हों, (3) डीजल जनरेटिंग सेट (4) कच्ची सामग्री, उपभोग्य और मध्यस्थों, (5) संघटकों (6) पैकिंग माल, और (7) फालतू पुरवों के आयात के लिए आगे आदेश होने तक सामान्य अनुमति देती है :-

- (1) आयातक 100% निर्यात अभिमुख यूनिट के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।
- (2) आयात वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन होगा।
- (3) माल का आयात कस्टम्स बान्डिड कारखाने में किया जाएगा।
- (4) पूर्ण उत्पादन और प्रचालन कस्टम्स बान्डिड कारखाने में किया जाएगा।
- (5) कस्टम्स बान्डिड के लिए लागू कियाविधि का अनुसरण किया जाएगा जिस में आयात के परतन से कारखाने तक माल ले जाने के उद्देश्य के लिए यात्रा बान्ड शामिल होगा।
- (6) 100% निर्यात अभिमुख यूनिट स्थापित करने के लिए अनुमोदन देने के लिए 5 प्रतिशत या सरकार द्वारा गठित बोर्ड जो निर्धारित करे उस प्रतिशत तक अवशेष को छोड़कर पूर्ण उत्पादन का निर्यात किया जाएगा।
- (7) उत्पादन के लिए 20 प्रतिशत या न्यूनतम मूल्य संकलन आवश्यक होगा। घरेलू रूप से अधिप्राप्त कच्चा माल न्यूनतम मूल्य संकलन की गणना के लिए आयात के रूप में समझा जाएगा।
- (8) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अस्त में सम्बन्ध औद्योगिक एकक वर्ष के दौरान आयातित मद्रों और उनके लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य का और निर्यातित उत्पाद और उनके जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का हिसाब संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को देगा। इस हिसाब का विवरण संबंध औद्योगिक यूनिट से संलग्न सीमा शुल्क अधिकारी के माध्यम से लाइसेंस प्राधिकारी को भेजा जाएगा।
- (9) यूनिट उन सभी शर्तों का पालन करेगी जिनके अधीन आयातित माल पर यूनिटों के मामले में सीमा शुल्क के भुगतान की छूट है।
- (10) इस प्रावधान के अंतर्गत यूनिट द्वारा किए गए निर्यात आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए पात्रता प्रदान नहीं करेगी।
- (11) सैकेण्ड हैंड पूंजीगत माल के आयात के लिए, आयातक का मास की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारी को आयात के देश के किसी व्यावसायिक स्वतंत्र सनदी इंजीनियर / किसी भी समतुल्य संस्थान जिमसे आयात किया गया हो, से एक प्रमाण-पत्र निम्नलिखित का उल्लेख करते हुए प्रस्तुत करना चाहिए :-

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम

(ख) विनिर्माण का वर्ष,

(ग) संयुक्त और मशीनरी को वर्तमान दशा और उसका संभावित शेष जीवन (5 वर्ष से कम संभावित शेष जीवन) वाली और 10 वर्ष से अधिक पुरानी मशीनरी का आयात अनुमत्त नहीं होगा,

(घ) यदि नया खरीदा गया हो तो समतुल्य पूंजीगत माल का लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य ।

2. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में निर्यात-आयुक्त को भिफारिश पर ऐसे एकक अपने खुद के उत्पादन/उपयोग, उत्पाद विविधीकरण और विकास या मूल्यांकन के लिए भी निम्नलिखित का आयात कर सकते हैं:—

- (i) पैरा 1 में न आने वाले आकार और तकनीकी समूह,
- (ii) माइक्रो फिल्म सहित ड्राइंग, ब्लू प्रिंट्स, चार्ट्स, तकनीकी आकड़े; और
- (iii) कार्यालय उपस्कर, पालतू पुर्जें और उनकी उपभोग्य सामग्री ।

3. जो औद्योगिक यूनिटें कम से कम पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत निर्यात करती रही हैं, परन्तु 100 प्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट योजना के अधीन सरकार द्वारा अनुमोदित नहीं की गई हैं, उनके लिए भी पूंजीगत माल (चाहे नया हो या पुराना) के आयात के लिए खुले सामान्य लाइसेंस के प्रावधान उगाहे जाने योग्य सीमा-शुल्क के भुगतान पर निम्नलिखित शर्तों के अधीन लागू होंगे:—

- (1) पुराने पूंजीगत माल का आयात करते समय आयातक को सीमा-शुल्क से माल की निकासी के समय उप अनुच्छेद (ii) में संशोधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा,
- (2) सीमाशुल्क से माल की निकासी के समय आयातक को संगत आयात नीति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मुख्य, नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली से प्राप्त एक नियमि निष्पादन प्रमाण-पत्र इसके साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत करना होगा कि उसने पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने उत्पादन का 100 प्रतिशत निर्यात किया है।

(3) आयात वास्तविक उपयोगिता शर्तों के अधीन होगा।

4. यह लाइसेंस वाणिज्य मंत्रालय के आयात व्यापार नियंत्रक आदेश सं० 17/82, दिनांक 5 अप्रैल, 1982 के अतिरिक्त में है।

[मि० सं० 1/2/74-ईपीसी (वा० 10) से जारी]

ORDER NO. 17/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 312(E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users approved by Government as 100% export-oriented units, for the import of (i) Capital Goods (whether new or second hand), (ii) prototype and technical samples, not exceeding two in number of each type, for product diversification and development or evaluation, (iii) Diesel Generating Set, (iv) raw materials, consumables and intermediates, (v) components, (vi) packing materials and (vii) spares, subject to the following conditions:—

- (1) The importer should be a manufacturer approved by Government as 100% export-oriented unit.
- (2) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (3) The goods shall be imported in customs bonded factory.

(4) The entire production and operations shall be under customs bonded factory.

(5) The procedure applicable for customs bonding shall be followed, including transit bond for the purpose of goods being taken from the port of importation to the factory.

(6) The entire production shall be exported, except rejects upto 5% or such percentage as may be fixed by the Board set up by Government for according approval for setting up 100% export oriented units.

(7) A minimum value added of 20% shall be necessary for production. Domestically procured raw materials shall be treated as imports for computation of minimum value added.

(8) At the end of each financial year industrial unit concerned shall give an account of the items and their c.i.f. value imported and the products and their f.o.b. value exported during the year, to the licensing authority concerned. These returns shall be sent to the licensing authority through the Customs Officer attached to the industrial unit concerned.

(9) The unit shall comply with all the conditions subject to which payment of customs duty on the imported materials is exempted in its case.

(10) Exports made by the unit under this provision shall not be eligible for import replenishment licences.

(11) For import of second-hand Capital Goods, the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating:—

- (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
- (b) Year of manufacture;
- (c) Present condition of the plant and machinery and expected residual life (import of machinery having expected residual life of less than 5 years and also machinery more than 10 years old shall not be allowed);
- (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new.

2. On the recommendation of the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, such units may also import, for the purpose of their own production/use, product diversification and development or evaluation:—

- (i) Prototypes and technical samples not covered in para 1;
- (ii) Drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films; and
- (iii) Office equipment, spares and consumables thereof.

3. The provisions of this Open General Licence will also apply for the import of Capital Goods (whether new or second-hand) by industrial units exporting 100% of their production already, atleast during the previous three financial years, but not approved as such by Government under the scheme of 100% export-oriented units, on payment of customs duty as may be leviable, subject to the following conditions:—

- (i) The importer shall produce at the time of clearance through customs the certificate referred to in sub-clause (11) above, when importing second-hand Capital goods;

(ii) At the time of clearance through customs, the importer shall produce Export Performance Certificate obtained from the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, in accordance with the procedures laid down in the relevant import policy, as an evidence of having exported 100% of its production in the previous three financial years.

(iii) The import shall be subject to Actual User condition.

4. This licence is in supersession of the Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 17/82 dated the 5th April, 1982.

[File No. 1/2/RPP-74-EPC Vol. X]

आदेश सं 18/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 18/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० अ० 313 (अ)।—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग कर, केन्द्रीय सरकार, निजी क्षेत्रों में स्थित वास्तविक उपयोगकर्ताओं को आयाती आदेश जारी होने तक वास्तविक उपयोगकर्ताओं के अनुसार जो कि प्रत्येक मामले में लागू हों, काउन्टर, मुद्रा, और और शान्ताकृष्ण इलेक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्रों में (1) मशीनरी, (2) कच्चे माल (3) संघटकों (4) फाब्रिक पुर्जों (5) उपकरण वस्तुओं (6) पैकिंग माल (7) औजार, जिस, फिक्स्चर्स और गैजेट (8) आदि रूप और तकनीकी समूह जो प्रत्येक किस्म में दो तगों से अधिक न हों और जो उत्पाद के विविधिकरण और विकास या मरम्मत के लिए हों, के आयात के लिए सामान्य अनुमति देती है।

2. संबंधित क्षेत्र के विकास आयुक्त का विकास पर ऐसा वास्तविक उपयोगकर्ता अपने उत्पादन/उपयोग, उत्पाद के विविधिकरण और विकास के लिए (1) पैरा 1 में न आने वाले आदि कर्तों और बहनों करने (2) ट्राइंग, ब्लू प्रिंट, चार्ट, तकनीकी आकृत, माइक्रो फिल्म, (3) कार्यालय उपकरण और फाब्रिक पुर्जों पर उपकरण का आयात कर सकते हैं।

3. ऐसे वास्तविक उपयोगकर्ता (1) जो न में उरके द्वारा मरम्मत/पुनः सुधार करने और स्वच्छता पुनः नियंत्रित करने के लिए प्राप्त किए गए माल का या (2) वास्तविक उपयोगकर्ता द्वारा विदेशी संस्करणों का यात भेजने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के दौरान वापस किए गए माल का आयात भी कर सकते हैं। (विदेशी मुद्रा विनियम के अन्तर्गत संबंधित कार्रवाई पूर्ण करने के पश्चात्)।

4. आयातक निर्धारित फार्म में आयात, उपयोग और सभी आयातित सामग्री के उपयोग और उनके द्वारा किए गए निर्यात का पूर्ण बहीरा रखेगा और यथा अवधिगत विकास आयुक्त और संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को समय-समय पर उन्हें भेजेगा। आयातक सरकार द्वारा उनके मामले में निर्धारित न्यूनतम मूल्य संकलन शर्त के अनुकूल आयात करेगा।

5. यह अनुमति किसी भी अन्य निषेध के अन्तर्गत आने वाले सामान या आयात को प्रभावित करने वाले विनियम जो उस समय लागू होंगे जब ऐसे माल का आयात किया जाता है तो उनके लिए लागू करने के विचार पर ध्यान दिए बिना ही होगी।

6. यह लाइसेंस वाणिज्य मंत्रालय, आयात व्यापार नियंत्रण अधिनियम सं० 18/82 दिनांक 5 अप्रैल, 1982 के अतिक्रमण में है।

[निमित्त सं० 1/2/19/आर०ई०पी०/74-ई०पी० सी० (या०-1) में जारी]

ORDER NO. 18/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 313(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission, till further orders, to the Actual Users located in the respective Zones for the import of (1) Capital Goods, (2) raw materials, (3) Components, (4) spares, (5) consumables, (6) packing materials, (7) tools, jigs, fixtures and gauges, (8) prototype and technical samples not exceeding two in number of each type for product diversification and development or evaluation into (i) the Kandla Free Trade Zone, and (ii) the Santacruz Electronics Export Processing Zone, subject to the Actual User condition as applicable thereto in each case.

2. On the recommendation of the Development Commissioner of the concerned Zone, such Actual Users may also import for the purpose of their own production/use, product diversification and development or evaluation (i) prototype and technical samples not covered in para 1, (ii) drawings, blue prints, charts, technical data including micro-films and (iii) office equipments, spares and consumables thereof.

3. Such Actual Users may also import goods received (i) for repairs/reconditioning by them in the zone and to be re-exported thereafter or (ii) back from the consignees overseas within a period of three years from the date of their despatch to him by the Actual User (after following the connected formalities under the Foreign Exchange Regulations Act).

4. The importer shall maintain in the prescribed form proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically as required to the Development Commissioner of the Zone and to the licensing authority concerned. The importer shall conform to the minimum value added condition stipulated by Government in his case.

5. This licence is without prejudice to the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported.

6. This licence is in supersession of Ministry of Commerce Import Trade Control Order No. 18/82, dated the 5th April, 1982.

[File No. 1/2/XVI/REP/74-EPC(Vol. X)]

आदेश संख्या 19/83

खुला सामान्य लाइसेंस संख्या -19/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० अ० 314 (अ)।—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, मुख्यतः निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छाहकर किंगो सी देग से पूंजीगत माल का भारत में आयात करने को मान्यता अनुमति देती है:—

(1) पात्र आयातक निम्नलिखित होंगे:—

(1) सर्वश्री कोल इण्डिया लि०

(2) सर्वश्री नवेली लिमिटेड कार्पोरेशन लि०

(3) सर्वश्री भारत कोकिंग कोल लि०

(4) सर्वश्री सेम्टूल कोल फाउंडेशन लि०

(5) सर्वश्री ईस्टर्न कोल फाउंडेशन लि०

- (6) सर्वश्री वेस्टरन कोल फील्ड्स लि०
- (7) सर्वश्री सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीट्यूट लि०
- (8) सर्वश्री सिंगरेणी कोलरीज कम्पनी लि०
- (2) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जाएगा।
- (3) आयात-निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट-1 में उल्लिखित पूंजीगत माल के आयात को अनुमति नहीं दी जाएगी। पूंजीगत माल की अन्य मदों के संबंध में, आयात महाविदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशी कृषि-क्षेत्र से निर्यात के अधीन होगा।
- (4) आयात 'वास्तविक उपयोगिता' शर्त के अधीन होगा।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1955 का अनुसूची-5 की शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (7) भारत को ऐसे माल का खदान किसी भी रियायती अवधि के बिना 31 मार्च, 1984 को या इससे पूर्व, या 29-2-1984 को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पूंजीकृत और की गई पक्की सविदा के मद्दे 31 मार्च, 1985 को या इसके पूर्व भारत को कर दिया गया हो।
- (8) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, तो उसे उसके वायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या ढाल प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिनिस्टर संख्या -आई पी सी -3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 19/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 19/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 314 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission the import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, subject to the following conditions:—

- (1) The eligible importers will be:—
 - (i) M/s. Coal India Limited.
 - (ii) M/s. Neyveli Lignite Corporation Limited.
 - (iii) M/s. Bharat Coking Coal Limited.
 - (iv) M/s. Central Coalfields Limited.
 - (v) M/s. Eastern Coalfields Limited.
 - (vi) M/s. Western Coalfields Limited.
 - (vii) M/s. Central Mine Planning and Design Institute Limited.
 - (viii) M/s. Singareni Collieries Company Limited.
- (2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purposes.

- (3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 of Import & Export Policy, 1983-84 (Volume-I) will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods, import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi.
- (4) The import shall be subject to Actual User condition.
- (5) The Licence shall also be subject to the condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.
- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1984 or on or before 31st March, 1985 against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before 29-2-1984 without any grace period whatsoever.
- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (9) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[FII No. IPC/3/9/83]

आदेश सं० 20/83

खुला सामान्य लाइसेंस सं० 20/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का० जा० 315 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड -3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश के विकलांग व्यक्तियों द्वारा मोटर कार का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) आयात की जाने वाली मोटर-कार विशेष रूप से संबंध प्राप्त विकलांग व्यक्तियों के लिए डिजाइन की हुई या बराली हुई हो;
- (2) पात्र आयातक वह विकलांग व्यक्ति होगा जिसे आयात की जाने वाली कार पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली द्वारा सीमा शुल्क कर में छूट दी गई हो। आयातक उसके प्रयोग में निर्यात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (3) आयात की जाने वाली मोटर कार में उदात्त क्षमता, अथवा शक्ति, बैठने के स्थान और अन्य विशिष्टीकरण वाले होने चाहिए, जिसके लिए वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली ने संबंध आयातक को कम सीमाशुल्क कर लगाकर छूट प्रदान की हो।
- (4) आयातित मोटर वाहन, "वास्तविक उपयोगिता" शर्त के अधीन संबंध विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत उपयोग के लिए होगा और इसे किसी भी समय बेचा नहीं जाएगा या हस्तांतरित नहीं किया जाएगा या अन्यथा रूप से निपटाया नहीं जाएगा या किसी व्यक्ति के पास गिरवी/रहन नहीं रखा जाएगा और

जिम्ही भी समय विषयाधीन मोटरकार के स्वामित्व को इतर को नहीं सौंपा जाएगा।

- (5) आयातित मोटर कार दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में वैधान्य अथवा विभिन्न नदों का गई हो।
- (6) आयातित मोटर कार भारत में किसी भी विदेशी अवस्था के बिना 31 मार्च, 1984 को या इसके पूर्व परेषण के लिए लाया हो गई हो।
- (7) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (ऑयोगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अंतर्गत आता हो, तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने में कोई उन्मुक्ति, छूट या कील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

[फि० सं० आई० पी० सी० /3/2/83 में जारी]

ORDER NO. 20/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 20/83

New Delhi, The 15th April, 1983

S O. 315(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, motor cars by disabled persons, subject to the following conditions:—

- (1) The motor car to be imported shall be that specially designed or adapted for use by the disabled eligible person concerned.
- (2) The eligible importer shall be the disabled person who is granted customs duty relief by the Department of Revenue, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi, on the same car that is being imported. The importer shall produce evidence in support of this to the customs authority at the time of clearance.
- (3) The motor car to be imported should have the same engine capacity, horse power, seating capacity and other specifications, for which the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi have granted relief by way of lower customs duty to the concerned importer.
- (4) The imported motor vehicle shall be for personal use of the concerned disabled person, subject to "Actual User" condition, and it shall not at any time be sold or transferred or otherwise disposed of or pledged/hypothecated with any person and the importer shall not also part with possession of the motor car, in question, at any time.
- (5) The imported car has not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (6) The imported car is shipped through consignment to India on or before 31st March, 1984, without any grace period whatsoever.
- (7) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted.

[File No. IPC/3/2/83]

आदेश सं० 21/83

मुद्रा सामान्य लाइसेंस सं० 21/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०अ० 316 (अ):—प्रमत निर्यात (निर्यात) अधिनियम, 1917 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एमद्वारा आयात निर्यात नीति, 1983-84 (जिन्ह-1) के अन्तर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के अधीन वास्तविक उपयोगिताओं (ऑयोगिक) द्वारा पूज्यगत माल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों का वशिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश में आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) पात्र आयातक, भारतीय श्रमिकों द्वारा (जिनमें वह श्रमिकों भारतीय शामिल हैं, जिनमें विदेशी राष्ट्रियता प्राप्त कर ली हो और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला स्वरूप में भारतीय हो, और वे कंपनियां, व्यवहार, संस्थाएँ, समितियाँ और इसी प्रकार के अन्य मध्यकारी निकाय शामिल हैं, जिनमें पात्र अनिवासी व्यक्तियों का काम में कम से कम 60 प्र० का हिस्सा हो)।
- (2) ऐसा पात्र व्यक्ति या तो भारत में उद्योग स्थापित करने के लिए निवास करने के लिए भारत वापस आगया या विद्यमान उद्योग के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण के लिए पूँजी लगाने सहित उस उद्योग में पूँजी लगाएगा, जिसमें पात्र व्यक्ति या ऊपर (1) में संदर्भित कंपनियाँ आदि का केवल 40 प्र० तक शेयर हो।
- (3) सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निवार्यता के समय उपर्युक्त (1) और (2) के अन्तर्गत अपनी पात्रता दिखाने के लिए आयातक सतीषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) इस लाइसेंस के अधीन पात्र व्यक्ति मशीनरी और संबंधित कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों का आयात निरधारित शर्तों के अधीन भारत में उद्योग में उपयोग के लिए विदेश में कमाई गई अपनी विदेशी मुद्रा और स्वतंत्र से खरीद कर वास्तविक उपयोगिता शर्त के अधीन कर सकता है, भारत से घन परेषण करके नहीं। आयातित मशीनरी और अन्य माल का उपयोग आयातक द्वारा भारत में स्थापित किए जा रहे उस उद्योग में किया जाएगा जिसमें आयातक लागू नीति के अनुसार घन लगा रहा हो। सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातक यह घोषणापत्र प्रस्तुत करेगा कि:—
- (क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कमाई से/स्त्रोतों से खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण शामिल नहीं है; और
- (ख) सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विषयाधीन मशीनरी और अन्य माल के आयात के विषय में उस राज्य के उद्योग निवेश को सूचित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा।
- (5) जनेरेटिंग सेट्स, कम्प्यूटर मरिटेम, वायानय उपकरण, आदि रूयों और आयात निर्यात नीति, 1983-84 (जिन्ह-1) के परिशिष्ट 1 में विशेष पूँजीगत माल और आयात निर्यात नीति, 1983-84 (जिन्ह-1) परिशिष्ट 1 में जो शामिल हैं, उनसे गिरा पुराने (प्रयुक्त) पूँजीगत माल के आयात की अनुमति इस लाइसेंस के अधीन नहीं दी जाएगी।

(6.1) निम्नलिखित मदी में से औद्योगिक लाइसेंस विनियमों को अधीन एक या अधिक का निर्माण करने वाले इलेक्ट्रॉनिकी उद्योगों के लिए पंजीगत माल के आयात के लिए कोई भी उच्च सीमा नहीं होगी --

- (1) इलेक्ट्रॉनिकी संघटक (एल एस आई, सी एल एस आई से मिले)
- (2) इलेक्ट्रॉनिकी यंत्र
- (3) टेप रिकार्डिंग,
- (4) ट्यूबिन बल्ब
- (5) हीट-पि उपकरण,
- (6) इलेक्ट्रॉनिकी अध्ययन सहाय,
- (7) औद्योगिक और संस्रजन नियंत्रण सिस्टम,
- (8) प्रमुख एवं मिस्टम, रेडार्स नी परिवहन सहाय के सहाय उपकरण, और
- (9) इलेक्ट्रॉनिकी विनियम, उपकरण,

(6.2) रेडार्स, नी परिवहन सहाय और सहाय उपकरण का निर्माण करने वाली यूनिटों के संघ में निर्माण कार्य आरम्भ करने में पहले इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, लागू नियम भवन, नई दिल्ली में विनियम पूर्व निर्माण प्राप्त करना आवश्यक होगा,

(6.3) इस प्रावधान के अन्तर्गत कम्प्यूटरों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी,

(6.4) पात्र आयातक का उपर्युक्त शर्त में (6.1) में उल्लिखित मशीन और उपकरणों के निर्माण के लिए अपेक्षित किसी आयातक माल के आयात की अनुमति दी जाएगी। आयात के लिए बेणी दृष्टिकोण के किसी प्रकार की निगरानी की आवश्यकता नहीं होगी;

(6.5) उपर्युक्त (6.1) में सूचीबद्ध उद्योगों के प्रस्तुत लाइसेंस के अन्तर्गत कच्ची सामग्री, सघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति भी औद्योगिक यूनिटों का केवल प्रथम 12 मास की अवधि के लिए पूरी करने के लिए दी जाएगी। आयात निर्यात नीति 1983-84 (जिल्द-1) के परिशिष्ट 3.4 और 6 में प्रदर्शित मदों के लिए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग नई दिल्ली के पूर्व निर्माण प्राप्त करनी होगी और ऐसी निकासी आयात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारी का प्रस्तुत की जाएगी

(7) उपर्युक्त उप पैरा (6.1) में उल्लिखित उद्योगों से मिले उद्योगों के मामले में आयातित मशीनरी का मूल्य 20 लाख रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं होगा और जिस यूनिट में आयातित मशीनरी का उपयोग किया जाएगा और उसमें सर्वव्यंजन मशीनरी में लगे हुई कुल पूंजी का मूल्य सप्पैसा के उद्योगों के लिए निर्धारित उच्च सीमा से अधिक नहीं होगा;

(8) इस लाइसेंस के उप पैरा (7) के अन्तर्गत मशीनरी का आयात करने के लिए पात्र व्यक्ति भी अपनी प्रथम 12 महीनों की आवश्यकता पूर्ण करने के लिए कच्चे माल, सघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों जो मूल्य में 5 लाख रुपए (लागत-बीमा-भाड़ा) से अधिक न हों, का आयात इस लाइसेंस के अधीन कर सकते हैं। आयात निर्यात नीति, 1983-84 (जिल्द 1) के परिशिष्ट 3.4 और 6 में प्रदर्शित मदों के लिए मलानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली, जैसा भी मामला हो, उससे पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी और वह आयात के समय सीमाशुल्क

प्राधिकारियों को प्रस्तुत करनी होगी। आयातित माल का उपयोग उसी यूनिट में किया जाएगा जिसके लिए इस लाइसेंस के अधीन मशीनरी का आयात किया गया है;

(9) जो व्यक्ति बसने के लिए भारत वापस आ रहे हैं, उनके मामले में न तो लगाई गयी पूंजी और न लाभों को विदेश में प्रत्यावर्तित करने की अनुमति दी जाएगी। अन्य मामलों में प्रत्यावर्तन की सुविधाएं समय समय पर यथा लागू सरकार की नीति के अधीन होगी।

(10) आयात वास्तविक उपयोगिता शर्त के अधीन होगा। पंजीगत माल बेचने के लिए पात्र माल की अवधि तक कोई अनुमति नहीं दी जाएगी;

(11) सशुद्ध औद्योगिक यूनिट को प्रस्तुत लाइसेंस के अधीन पंजीगत माल के प्रथम परपण के आयात की तिथि से 12 महीनों की अवधि के भीतर इस संघ में लागू नीति और नियम, विधियों के अनुसार महानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से या राज्य के उद्योग निवेशक या अन्य संबंध प्राधिकारियों से औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त करना होगा;

(12) पात्र आयातक, विदेशी मुद्रा विनियमों का अनुपालन करेगा और लागू नियमों के अधीन यथा अपेक्षित विदेश में शेष विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा,

(13) इस प्रकार आयातित माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी अफ्रीका में निर्यात न हो;

(14) भारत को ऐसे माल का निर्यात परपण के माध्यम से किसी भी ग्राह्यता अवधि के बिना चाहे जो कुछ भी हो 31.3.84 को या इससे पूर्व या नीचे संकेतित तिथियों को कर दिया जाता हो --

(ए) उन कच्चे माल, सघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में 30.3.1984 को या इससे पूर्व जिनके लिए 29-3-1984 को या इससे पूर्व अपरिबर्तनीय साख पत्र खोल दिए जाते हैं;

(ख) उन पंजीगत माल और फालतू पुर्जों के मामले में 31-3-1985 को या इससे पूर्व जहां 29-3-1984 को या इससे पूर्व एक पक्की संविदा कर ली गई हो और उसे विदेशी मुद्रा का लेन देन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

(15) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा;

(16) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उम्मुक्ति, छूट या छील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

[मिनिमल स० आई पी सी/3/2/83 से जारी]

ORDER NO. 21/83

OPEN GENERAL LICENCE NO. 21/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 316(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, raw-materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial), under the facilities available to non-resident Indians in the Import & Export Policy for 1983-84 (Vol. I), subject to the following conditions :—

- (1) The eligible importers shall be non-resident Indians (which includes non-resident Indians who have acquired foreign nationality, persons of Indian origin residing abroad, and companies, firms, societies and similar other corporate bodies owned to the extent of at least 60 per cent by eligible non-resident persons).
- (2) Such eligible person shall either return to India for settlement, for setting up an industry in India, or shall make investment in an industry, including investment for expansion, diversification or modernisation of an existing industry in which the share of the eligible person(s) or companies etc. referred to in (1) above, shall be only upto 40 per cent,
- (3) At the time of clearance of goods through Customs, the importer shall produce satisfactory evidence to establish his eligibility under (1) and (2) above.
- (4) Eligible persons can import machinery and connected raw-materials, components, consumables and spares under this Licence, subject to 'Actual User' condition purchased out of the importers foreign exchange earnings & resources abroad, with no remittance from India, for use in an enterprise in India, subject to the conditions stipulated. The imported machinery and other materials shall be used in the industry being set up by the importer in India or for use in the industry in India in which the importer will be investing, in accordance with the policy in force. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that :—
 - (a) the imported machinery and other materials has been purchased out of importers earnings/resources abroad, and does not involve any remittance from India; and
 - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall inform about the import of the machinery and other materials, in question, to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used.
- (5) Import of generating sets, computer system, office equipment, proto-types, and banned Capital Goods in Appendix-I of Import & Export Policy, 1983-84 (Vol. I) and second hand (used) Capital Goods except those covered by App. 2 of Import & Export Policy, 1983-84 (Volume I) shall not be allowed under this Licence,
- (6) There will be no upper limit for import of Capital Goods meant for electronic industries manufacturing one or more of the following subject to industrial licensing regulations :—
 - (i) Electronic Components (other than LSI, VLSI)
 - (ii) Electronic instruments;
 - (iii) Tape recorders.
 - (iv) Two-in-ones,
 - (v) Hi Fi equipment,
 - (vi) Electronic teaching aids.
 - (vii) Industrial and process control systems;
 - (viii) Major sub systems, radar, navigational aides and communication equipment, and
 - (ix) Electronic medical equipment,
- (6.2) In respect of units manufacturing radars, navigational aides and communication equipment, a specific prior approval of the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi shall be necessary before taking up manufacturers.
- (6.3) Manufacture of computers shall not be allowed under this provision,
- (6.4) The eligible importer will be allowed to import any Capital Goods necessary for the manufacture of the items and equipments mentioned in condition No (v) 1) above. No clearance from indigenous angle would be required for import.
- (6.5) For industries listed in (6.1) above, import of raw, materials, components, consumables, and spares will also be allowed under this Licence, to meet only the first 12 months' requirements of the industrial unit. Items appearing in Appendices 3, 4 and 6 of import-export policy, 1983-84 (Volume I) shall require prior clearance of the Department of Electronics, New Delhi and such clearance shall be produced to the customs authority at the time of import. Imported materials shall be used in the same unit for which the machinery under this Licence is imported,
- (7) In the case of industries other than those mentioned in sub-para (6.1) above, the value of machinery imported shall not exceed Rs. 20 lakhs (cif) and the unit in which imported machinery shall be used will not have a total capital investment in plant and machinery of a value, more than the upper limit fixed for small scale industries.
- (8) Persons eligible to import machinery under sub-para (7) of this Licence, can also import raw-materials, components, consumables and spares for meeting their first 12 months requirements under this Licence, subject to a maximum of Rs. 5 lakhs (cif) in value. For items appearing in Appendices 3, 4 and 6 of the Import & Export Policy, 1983-84 (Vol.I), prior clearance from DGTD, New Delhi or the Department of Electronics New Delhi, as the case may be, shall be obtained and produced to customs authority at the time of import. Imported material shall be used in the same unit for which the machinery under this Licence is imported,
- (9) Neither the capital investment nor dividends shall be allowed to be repatriated abroad in the case of those returning to India for settlement. In other cases, repatriation facilities will be subject to Government's policy as in force from time to time,
- (10) Imports shall be subject to 'Actual User' condition. No permission for sale of Capital Goods shall be allowed for a period of five years.

- (11) The industrial unit concerned will be required to obtain industrial licence or registration with the DGTD, New Delhi or State Director of Industries or other authorities concerned, in accordance with the policy and the procedures in force in this regard within a period of 12 months from the date of import of first consignment of Capital Goods under this Licence.
- (12) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.
- (13) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (14) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31-3-1984 or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever :—
- (a) On or before 30-6-1984 in the case of raw-materials, components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before 29-2-1984;
- (b) On or before 31-3-1985 in the case of Capital Goods and spares where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before 29-2-1984.
- (15) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are permitted,
- (16) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

[File No. PC/3/2/83]

आदेश सं० 2/83

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1983

का०सा० 317(अ):—आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एन०द्वारा आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश की रचना करती है:—

(1) इस आदेश को आयात (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1955 की संज्ञा दी जाएगी।

(2) आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 में—

(i) वर्तमान उप मद 6 के बाव अनुच्छेद 11(1) के उप-अनुच्छेद (जी जी) में निम्नलिखित को निविष्ट किया जाएगा :—

(7) अग्न्यस्त्र और बालू

(8) उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक मर्चे (श्रवण सहाय और जीवन रक्षक उपकरण, उपकरण और माधुनिक और उनके पुर्जों के प्रतिरिक्त)

(ii) उप मद (8) के बाव वर्तमान परन्तुक में "पाच सौ रुपया" शब्दों को संशोधित करके "एक हजार रुपया" पड़ा जाए।

[मिलित संख्या आईटीसी (एचबी)/मदवार्य 1/83 से 84 जारी]

रोमा मजूमदारम, मुख्य निर्यात
आयात एवं निर्यात,

ORDER NO. 22/83

New Delhi, the 15th April, 1983

S.O. 317(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Imports (Control) Order, 1955 :—

(1) This order may be called the Imports (Control) Amendment Order, 1983.

(2) In the Imports (Control) Order, 1955 :—

(i) In sub-clause (gg) of clause 11(1), after the existing sub-item (vi), the following shall be added :—

(vii) Firearms and ammunition

(viii) Consumer electronic items (Except hearing aids and life saving equipments, apparatus and appliances and parts thereof).

(ii) In the existing proviso, after sub-item (viii) the words "five hundred rupees" shall read "One thousand rupees".

[File No. ITC/HB/Chapter-I/83-84]

ROMA MAZUMDAR, Chief Collector,
Imports and Exports